संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -179 सोमवार ,01 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

अग्रिम जमानत के लिए मुख्तार अंसारी का बेटा उमर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,30अप्रैल2023(ए)। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने गिरफ्तारी से बचने के

लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। संपत्ति हड़पने से जुड़े मामले में उमर अंसारी ने अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। कल सोमवार को इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट पहले ही उमर को जमानत देने से इनकार कर चुका है। इसके पहले मऊ कोर्ट ने मुख्तार के छोटे बेटे उमर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। ये मामला साल 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्तार के बड़े बेटे अब्बास अंसारी के हेड स्पीच का है, जिसमें उसने अधिकारियों के देख लेने और हिसाब किताब की बात कही थी। इस हेट स्पीच केस की सुनवाई के दौरान कई बार उमर अंसारी को कोर्ट में पेश होने को कहा जा रहा था, लेकिन वो पेश नहीं हो रहा था। हाल ही में कोर्ट ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। उमर अंसारी का फिलहाल कोई अता-पता नहीं है। काफी समय से पुलिस उमर की तलाश कर रही है। सिर्फ उमर ही नहीं माफिया मुफ्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी भी फरार चल रही है। अफशां अंसारी पर 75 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है।

भारतीयों की निकासी के लिए देवदूत बना सी-17 ग्लोबमास्टर

सी-17 ग्लोबमास्टर वायु सेना का वही विमान है,जिसने तमाम बाधाओं को पार करते हुए भूकंपग्रस्त तुर्किये को मानवीय सहायता मुहैया कराई

नई दिल्ली,30अप्रैल2023(ए)। हिंदुस्तान की आन-बान-शान बन चुके सी-17 ग्लोबमास्टर की कहानियां न सिर्फ गौरवान्वित करती हैं बल्कि विगत परिस्थितियों में भी मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए प्रेरित करती हैं। सूडान में चल रहे खूनी संघर्ष के बीच भारत सरकार ने भारतीयों की वापसी के लिए स्पेशल ऑपरेशन लॉन्च किया, जिसे ऑपरेशन कावेरी का नाम दिया गया।

ऑपरेशन कावेरी का उद्देश्य सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी है। विदेश मंत्रालय , भारतीय वायु सेना और सूडान स्थित भारतीय दूतावास सहित अन्य आला अधिकारियों की एक टीम को भारतीयों की सुरक्षित निकासी का जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसकी निगरानी के लिए सरकार ने विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन को वहां भेजा है। ऐसे में सूडान के अलग-अलग हिस्सों से भारतीयों को राजधानी खार्तूम लाया जा रहा है, जहां से उनकी सुरक्षित वतन वापसी को सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस निकासी अभियान के लिए वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर की तैनाती की गई है। सी-17 ग्लोबमास्टर वायु सेना का वही विमान है, जिसने तमाम बाधाओं को पार करते हुए भूकंपग्रस्त तुर्किये को मानवीय सहायता मुहैया कराई। इसके अलावा युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी कराई। ऐसे ही कई अन्य

उदाहरण भी मौजूद हैं, लेकिन आज हम सी-17 ग्लोबमास्टर की खूबियों के बारे में चर्चा करेंगे।

संघर्षरत सूडान की भयावह तस्वीर

सूडान में आर्मी और पैरामिलिट्री समूह के बीच संघर्ष चल रहा है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 15 अप्रैल को पहली बार हिंसा भड़कने के बाद से अबतक 528 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,599 लोग घायल हो गए। इन्हीं तमाम खूबियों की वजह से सी-17 ग्लोबमास्टर का इस्तेमाल विपदाओं में फंसे लोगों की निकासी के लिए किया जाता है। भारत के पास करीब 11 सी-17 ग्लोबमास्टर विमान हैं। साल 2013 में भारत ने अमेरिका के साथ 10 विमानों की खरीद के लिए समझौता किया था। उस वक्त इस विमान की कीमत तकरीबन 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी।

ऑपरेशन कावेरी में शामिल हुई महिला पायलट

सी-17 ग्लोबमास्टर को उड़ाने में सक्षम भारतीय वायु सेना की पहली और इकलौती महिला पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट हर राज कौर बोपराय ने भी संकटग्रस्त सूडान में फंसे भारतीयों को स्वदेश वापस लाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन कावेरी में हिस्सा लिया।

रावण वाले बयान पर मचा घमासान

» केंद्रीय मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जयपुर,30अप्रैल2023(ए)। राजस्थान की राजनीति में रावण को लेकर घमासान मचा हुआ है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का रावण बताए जाने पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ चित्तौड़गढ़ में मानहानि के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जानकारी के अनुसार स्थानीय कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने शेखावत के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है।बता दें कि शेखावत ने चित्तौड़गढ़ में बीजेपी की जन आक्रोश रैली में अपने भाषण के

आखिर में राजराज्य के लिए संकल्प लेने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ बयान दिया था।

इस मामले में गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें धारा 143, 153 ए (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और धारा 500 व 504 (शांति भंग करना) और 511 और 505 (2) शामिल हैं।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के सीईओ उड़ान सुरक्षा प्रमुख को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,30अप्रैल2023(ए)। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन को दुबई-दिल्ली उड़ान को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस उड़ान के पायलटों ने कॉकपिट में एक महिला मित्र को आने दिया था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जांच में देरी करने और संबंधित प्राधिकरण को रिपोर्ट नहीं करने के लिए उड़ान सुरक्षा प्रमुख को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

डीजीसीए के सूत्रों ने कहा कि सीईओ और उड़ान सुरक्षा प्रमुख दोनों को कारण बताओ नोटिस का जवाब देना है। इससे पहले, फ्लाइट के एक केबिन क्रू मेंबर ने पायलट

द्वारा महिला मित्र को कॉकपिट में जाने की अनुमति देने के बारे में डीजीसीए में शिकायत दर्ज कराई थी। घटना 27 फरवरी की है।

डीजीसीए को घटना की समय पर रिपोर्ट नहीं करने के लिए 21 अप्रैल को एयर इंडिया के सीईओ और उड़ान सुरक्षा प्रमुख को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अधिकारी ने कहा कि दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

एयर इंडिया की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है। इस महीने की शुरूआत में, डीजीसीए ने एयर इंडिया को दुबई-दिल्ली उड़ान के पूरे चालक दल को जांच पूरी होने तक हटाने का निर्देश दिया था। 21 अप्रैल को एयरलाइन ने कहा कि उसने रिपोर्ट की गई घटना को गंभीरता से लिया है और जांच चल रही है।

दिल्ली पुलिस ने सात महिला पहलवानों को मुहैया कराई सुरक्षा

नई दिल्ली,30अप्रैल2023(ए)। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली सभी सात महिला पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने रविवार को सुरक्षा मुहैया कराई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को सिंह पर आरोप लगाने वाली पीड़िताओं को उचित सुरक्षा मुहैया कराने को कहा था। दिल्ली पुलिस ने सभी महिला पहलवानों को भी जांच में शामिल होने और 161 सीआरपीसी के तहत अपने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है, ताकि वे भविष्य की कार्रवाई तय कर सकें।

सूत्रों ने बताया कि एक-दो दिन में महिला पहलवान दिल्ली पुलिस के कनॉट प्लेस पुलिस थाने आकर अपना बयान दर्ज करा सकती हैं। शनिवार को सिंह के खिलाफ दर्ज दो एफआईआर में से एक की कॉपी शीर्ष पहलवानों को सौंपी गई, जो यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही हैं। पुलिस ने कहा कि हालांकि, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी की प्रति पहलवानों को नहीं दी गई है, इसे पीड़ित परिवार को सौंप दिया जाएगा।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे जल्द ही पीड़ितों के बयान दर्ज करेंगे। महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों के जवाब में पुलिस ने शुक्रवार शाम को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

लुधियाना में गैस लीक होने से 9 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम

चंडीगढ़,30अप्रैल2023(ए)। पंजाब के लुधियाना में घनी आबादी वाले गियासपुरा इलाके में रविवार को एक फैक्ट्री से गैस का रिसाव होने से कम से कम नौ बच्चों समेत 11 लोगों की मौत की खबर है। कई लोग बीमार हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, गैस लीक के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोगों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की।

एनडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंच गए हैं और पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सांस लेने में दिक्कत की शिकायत करने वाले करीब 10 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। गैस पीड़ितों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घटना पर दुख जताते हुए ट्वीट कर कहा, लुधियाना के गियासपुरा इलाके में एक फैक्ट्री से गैस रिसाव की घटना बेहद दुखद है। पुलिस, सरकार और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। और विवरण जल्द ही। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। कुछ लोग जान बचाने के लिए अपने घरों से बाहर आ गए।

मेरे पिता मुझे कभी भी मरवा सकते हैं...

आरजेडी के पूर्व विधायक के बेटे का हत्या से पहले का रोते हुए वीडियो वायरल

दाउदनगर (औरंगाबाद),30 अप्रैल 2023 (ए)। जिले में लालू यादव के करीबी और राजद के पूर्व विधायक रविंद्र सिंह के बेटे कुमार गौरव उर्फ दिवाकर की 15 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। अब दिवाकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने पिता द्वारा हत्या कराए जाने की आशंका जता रहे हैं। जब हत्या हुई थी, तब दिवाकर की मां उषा शरण ने बेटे को मरवाने का सीधा आरोप अपने पति पूर्व विधायक रविंद्र सिंह पर लगाया था।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिवाकर कहते नजर आ रहे हैं कि उनके पिता कभी भी उनकी हत्या या उन्हें लापता करवा सकते हैं। पिता ने उन्हें घर से बाहर निकालने और जान से मारने की धमकी दी है। पिता पूर्व विधायक रविंद्र सिंह उन्हें जान से मार सकते हैं या गायब करवा सकते हैं। वह घबराते हुए कहता है कि वे कुछ भी करा सकते हैं, यह बात वह जानता है। पिता के साथ उनकी एक बहन का बेटा और भांजे का बेटा भी शामिल है।

मां को पता हो उनके बेटे का हत्यारा कौन?

दिवाकर आगे कहता है कि अगर कल उसके पिता रविंद्र सिंह उसे मार भी दें तो उसकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सबूत का वीडियो किसी के पास तो होगा। उनकी मां को पता तो होगा कि आखिर उसके बेटे का हत्यारा कौन है। वीडियो में वह कहते हैं कि अगर उनकी हत्या कर दी जाती है तो तीनों को सजा दी जाए और उनकी मां को इंसाफ मिलना चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल यह वीडियो 10 अगस्त, 2021 का है।

नंद कुमार साय का बीजेपी से इस्तीफा

रायपुर,30 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से इस वक्त बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। वरिष्ठ आदिवासी नेता नन्द कुमार साय ने रविवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में उद्धव का चेहरा होगा!

महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टियों के महा विकास अघाड़ी में सबसे बड़ा मुद्दा नेतृत्व का है। एनडीए में यह झगड़ा नहीं है। वहां तय है कि विधानसभा चुनाव के बाद अगर गठबंधन जीतता है तो मुख्यमंत्री भाजपा का होगा और शिव सेना का उप मुख्यमंत्री होगा। एकनाथ शिंदे को पता है कि वे अगले चुनाव तक ही मुख्यमंत्री हैं। उससे पहले भी बदल जाएं तो हैरानी नहीं होगी। लेकिन महा विकास अघाड़ी में तय नहीं है कि कौन गठबंधन का नेतृत्व करेगा। एनसीपी के दोनों शीर्ष नेता शरद और अजित पवार इसे लेकर परेशान हैं। हालांकि दोनों की परेशानी के कारण अलग अलग हैं। अजित पवार गठबंधन का नेता और चेहरा बनना चाहते हैं, जबकि शरद पवार इसके पक्ष में नहीं हैं। सो, सवाल है कि क्या शरद पवार चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाए? चूंकि उद्धव ठाकरे ढाई साल तक गठबंधन के नेता रहे हैं इसलिए अभी स्वाभाविक रूप से उनको नेता माना जा रहा है। लेकिन आगे क्या होगा? बताया जा रहा है कि शरद पवार और कांग्रेस दोनों इस पर सहमत हैं कि उद्धव ठाकरे के चेहरे पर चुनाव लड़ा गया तो फायदा होगा। इसका कारण यह है कि कांग्रेस और एनसीपी का एक निश्चित वोट है, जो हर चुनाव में उनको मिलता है। उद्धव ठाकरे और उनकी शिव सेना को कट्टर हिंदू वोट मिल सकता है। वे भाजपा के वोट में सेंध भी लगा सकते हैं। उन पर दांव लगाने की सोच इसी वजह से है कि वे हिंदू वोट अघाड़ी के खेमे में ला सकते हैं। दूसरी ओर अजित पवार अगले चुनाव को अभी नहीं तो कभी नहीं का मौका मान रहे हैं। उनकी बेचैनी किसी तरह से मुख्यमंत्री बनने की है। अगर भाजपा थोड़े दिन के लिए भी बनाती है तो वे इसके लिए तैयार दिख रहे हैं।

मजदूरों की पीड़ा

मजदूर जिसके कंधे पर पूरे विश्व का भार है।कभी वह सुस्ताना नही जानता।कभी वह राहत लेना नही चाहता।कभी वह हथियार नही डालता।वह कभी सुखों की कामना नही करता।मजदूर श्रम करना छोड़ दे तो दुनिया मे हाहाकार मच जाए।दुनिया का विकास रुक जाएगा।अमीरों की शान शौकत धरी की धरी रह जाय। दुनिया जो इतनी सुंदर लगती है, इन्ही के बदौलत लगती है।मजदूरों ने ही बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी की।बड़े-बड़े पहाड़ो को काटकर चमचमाती सड़कें बनाई है।दलदल जमीन को उर्वरक बनाई।बंजर जमीनों में फूल खिलाए ।पूरी दुनिया के लिए अन्न उगाए।पूरी दुनिया के उद्योग धंधे संचालित किए।कभी इन्होंने आह तक नही किये।पीड़ा उनको तब होती है जब उनका स्वयं का विकास नही हो पाता।जिन्होंने दुसरो के लिए इमारते बनाई,और स्वयं एक छोटे से घर के लिए तरस्ते रहे।जिन्होंने अन्न उगाया वो स्वयं एक-एक दाना के लिए महोताज हो गए।जिन्होंने मिल चलाया,उद्योग धंधे चलाया,तन को ढकने के लिए कपड़ों के लिए तरसा।जिन्होंने पूरी दुनिया के विकास का ठेका ले रखा है, वही आज दुख,अभाव,गरीबी,बेबसी,और जिल्लत की जिंदगी जी रहा है।उनके लिए कोई भी सहानुभूति नही दिखाता।जिसको देखो वही उनका शोषण कर रहा है।इनका भी आर्थिक विकास हो।इनका भी जीवन स्तर में बदलाव हो।इनको भी उनकी मजदूरी का उचित राशि मिले।इनको भी सहानुभूति,प्रेम,और सहयोग मिले।ताकि इनको मजदूरी क़ी पीड़ा से छुटकारा मिल सके।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

न्यूनतम मजदूरी की लूटः सबसे बड़ा शोषण

कंपनियां कई तरीकों से अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन देने से बचने की कोशिश करती हैं। एक सामान्य तरीका कर्मचारियों को ठेकेदारी या स्वरोजगार के रूप में गलत वर्गीकृत करना है, जिसकी वजह से न्यूनतम मजदूरी से कम मज़दूरी देने में सफल हो जाती हैं। न्यूनतम वेतन व दूसरे कानूनी तौर से मिलने वाले लाभों का भुगतान करने से बचने के लिए, कुछ कंपनियां भुगतान का कोई लिखित रिकॉर्ड दिए बिना, बहीखातों से श्रमिकों को तनख्वाह देती हैं।

अन्य युक्तियों में ड्रेस, टूल्स, किराया या आवास जैसी चीजों के लिए श्रमिकों के वेतन से कटौती करती हैं जिसकी वजह से उनका वेतन न्यूनतम वेतन स्तर से नीचे पहुंच जाता है। कंपनियाँ श्रमिकों को उनके द्वारा भुगतान किए जा रहे घंटों से अधिक समय तक काम करने के लिए मजबूर करती हैं या ओवरटाइम का भुगतान नही करती हैं। जिससे वेतन कम आता है।

ऐसे उदाहरण भी हैं जहां कंपनियां लागत में कटौती करने के लिए बाल श्रम का उपयोग करती हैं या महिलावों को रोज़गार पर रखती है ताकि कम सैलरी देनी पड़े। विभिन्न षड्यंत्रों से वे श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी से बहुत कम भुगतान करती हैं।

बहुत सारी कंपनियां सरकार द्वारा तय की गई न्यूनतम मजदूरी की लूट करती हैं और श्रमिकों को तय न्यूनतम मजदूरी भी नहीं देती। अनेकों शिकायतें हैं कि कंपनियों में श्रमिकों से सरकार द्वारा तय किए हुए न्यूनतम वेतन पर साइन करवाया जाता है और उन्हें कम वेतन दिया जाता है। कंपनियां निडरता से श्रम कानूनों का उलंघन करती हैं। सरकारों के तमाम दावों के विपरीत कंपनियां न्यूनतम मजदूरी की खुलेआम लूट करती हैं।

उदाहरण के तौर पर देखें तो हाल ही में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के असंगठित क्षेत्र में अकुशल, अर्ध-कुशल और कुशल श्रमिकों के न्यूनतम मासिक वेतन में वृद्धि की है। सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों के लिए विशिष्ट वृद्धि की घोषणा की है। उदाहरण के लिए, अकुशल मजदूरों का मासिक वेतन ₹16,792 से बढ़कर ₹17,234 हो गया है, जबकि गैर-मैट्रिक कर्मचारियों का मासिक वेतन ₹18,499 से बढ़कर ₹18,993 हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप ₹494 की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, स्नातक कर्मचारियों और उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले मजदूरों का मासिक वेतन 22,146 रुपये से बढ़कर 22,744 रुपये हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके वेतन में अधिकतम 598 रुपये की वृद्धि हुई है। सरकार ने लिपिक और पर्यवेक्षक वर्ग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ दिया है।

लेकिन ये सरकारी अनाउंसमेंट्स मात्र रह जाता है और कंपनियां श्रमिकों के मजदूरी की खुलेआम लूट करती हैं। एक अनुमान के मुताबिक एक श्रमिक का लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये कंपनियां सालाना लुटती हैं। जिसकी वज़ह से गरीब परिवारों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। न्यूनतम

मजदूरी की लूट वित्तीय असुरक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं, आवास की अस्थिरता, शैक्षिक बाधाओं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, पारस्परिक संघर्षों, सीमित अवसरों और पीढ़ीगत गरीबी को जन्म देता है। आइये श्रमिकों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझें।

कर्मचारियों के लिए वित्तीय असुरक्षा पैदा होनाः-

जब कोई कंपनी अपने कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन की चोरी करती है, तो इससे उन कर्मचारियों के लिए वित्तीय असुरक्षा पैदा हो सकती है। न्यूनतम मजदूरी वाले कर्मचारी अक्सर तनख्वाह से जीते हैं और किराए, भोजन और उपयोगिताओं जैसे बुनियादी जीवन व्यय को कवर करने के लिए अपनी मजदूरी पर ही डिपेंड करते हैं। जब उनकी मजदूरी चोरी हो जाती है, तो उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जिसके कारण बिल भुगतान, कर्ज और अन्य वित्तीय समस्याएं हो सकती हैं।

मजदूरी की चोरी के कारण होने वाला तनाव और अनिश्चितता कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य भारी पड़ सकता है। वे अपने नियोक्ता द्वारा कम मूल्यांकन और अनादर महसूस करते हैं, जिससे चिंता, अवसाद और निराशा की भावना पैदा होती है।

कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभावः-

कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी की चोरी की वजह से कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वित्तीय तनाव और असुरक्षा चिंता, अवसाद, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापे सहित विभिन्न प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल का खर्च उठाने में असमर्थ हो सकते हैं, जिससे अनुपचारित स्वास्थ्य स्थितियां समय के साथ और अधिक गंभीर हो सकती हैं। कामगारों को अप्रत्यक्ष रूप से ज्यादा वेतन के लिए लंबे समय तक काम करने या कई काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे थकावट, जलन और कार्यस्थल पर चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है।

श्रमिकों के लिए आवास की अस्थिरताः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी के परिणामस्वरूप श्रमिकों के लिए आवास की अस्थिरता हो रहती है। यदि श्रमिकों को उनके वेतन की पूरी राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो वे किराए का भुगतान करने के लिए भी संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप रम खाली करने या बेदखली का खतरा बना रहता है। वे बुनियादी घर की मरम्मत या रखरखाव का खर्च उठाने में भी असमर्थ होते हैं, जिससे असुरक्षित और अस्वास्थ्यकर रहने की स्थिति पैदा होती है। आवास की अस्थिरता का कार्यकर्ता के जीवन के अन्य क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव होता है। उदाहरण के लिए, यह स्थिर रोजगार बनाए रखना या स्वास्थ्य देखभाल और अन्य सेवाओं तक पहुँच में कठिनाई आती है।

श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा पर बुरा प्रभावः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा में बाधाएँ पैदा होती हैं। कर्मचारी अपने करियर को आगे बढ़ाने और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने के लिए बच्चों की आवश्यक शिक्षा और प्रशिक्षण की लागत वहन करने में असमर्थ हो जाते हैं। शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए बहुत कम समय और ऊर्जा छोड़कर, ज्यादा कमाई के लिए उन्हें लंबे समय तक काम करने या कई काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

जब परिवार आर्थिक रूप से संघर्ष करते हैं, तो बच्चों के पास किताबें और ट्यूशन जैसे शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच नहीं हो पाती है। उनकी शिक्षा में बाधा उत्पन्न होता है। और शिक्षा और प्रशिक्षण की कमी श्रमिकों की उच्च-वेतन वाली नौकरियों तक पहुंचने और अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने की क्षमता खत्म हो रही है।

श्रमिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभावः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम वेतन की चोरी से श्रमिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वित्तीय तनाव और असुरक्षा से चिंता, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। श्रमिक अपने नियोक्ता द्वारा कम आंका गया और अनादर महसूस कर सकते हैं, जिससे निराशा और कम आत्म-सम्मान की भावना पैदा होती है।

इसके अलावा, मजदूरी की चोरी के कारण होने वाले तनाव और अनिश्चितता से नींद खराब होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती है। कर्मचारी इस मुद्दे के बारे में अपने नियोक्ता का सामना करने में शक्तिहीन महसूस करते हैं, जिससे अलगाव की भावना और समर्थन की कमी होती है।

पारस्परिक संबंधों पर बुरा प्रभावः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी श्रमिकों के पारस्परिक संबंधों को नष्ट कर सकती है। वित्तीय तनाव और असुरक्षा व्यक्तिगत संबंधों पर तनाव पैदा करती है, जिसमें परिवार, दोस्तों और रोमांटिक पार्टनर शामिल हैं। श्रमिक अपने प्रियजनों के साथ अपने संघर्षों को साझा करने में शर्म या शर्मिंदगी महसूस करते हैं, जिससे संचार और विश्वास टूट जाता है। मजदूरी की चोरी के कारण होने वाले तनाव और चिंता से चिड़चिड़ापन, मिजाज और अन्य नकारात्मक व्यवहार हो सकते हैं जो रिश्तों को तनाव में डालते हैं। कार्यकर्ता भी अपने समुदाय से अलग-थलग और अलग-थलग महसूस करते हैं, जिससे अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की भावना पैदा होती है।

करियर में अवसरों का सीमित होनाः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी कई तरह से श्रमिकों के अवसरों को सीमित कर सकती है। सबसे पहले, श्रमिक अपने करियर को आगे बढ़ाने और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक शिक्षा और प्रशिक्षण की लागत वहन करने में असमर्थ हो जाते हैं। दूसरे, उन्हें कमाई बढ़ाने के लिए लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे करियर के विकास के लिए बहुत कम समय और ऊर्जा बचती है।

तीसरा, कर्मचारी कम वेतन वाली नौकरियों में फंस सकते हैं जिनमें उन्नति के लिए सीमित गुंजाइश होती है, जिससे मजदूरी की चोरी और वित्तीय असुरक्षा का चक्र बना रहता है। चौथा, मजदूरी की चोरी के कारण होने वाले तनाव और चिंता से बर्नआउट हो सकता है, जिससे कर्मचारियों की अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता कम हो जाती है और उनके करियर में प्रगति नहीं होती।

न्यूनतम मजदूरी की चोरी श्रमिकों में बढाती पीढ़ीगत गरीबीः-

किसी कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी श्रमिकों परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी चलती रहती है। यदि श्रमिकों को उनके वेतन की पूरी राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो वे गरीबी और वित्तीय असुरक्षा के चक्र में फंसे रहते हैं। मजदूरी की चोरी का अनुभव करने वाले श्रमिकों के बच्चों को भी वयस्कों के रूप में गरीबी का अनुभव होने की अधिक संभावना रहती है, क्योंकि उनके पास आर्थिक गतिशीलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधनों और अवसरों की कमी होती है। पीढ़ीगत गरीबी का व्यक्तियों और परिवारों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं तक उनकी पहुंच सीमित हो सकती है। इससे समाज मे असमानता पैदा होती है।

कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी रोकने के लिए सरकार को सुझाव

सरकार कई तरह से कंपनियों द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी को नियंत्रित कर सकती है। सबसे पहले, वे श्रम प्रवर्तन के लिए धन में वृद्धि कर सकते हैं कंपनियां श्रम कानूनों का पालन कर रही हैं यह सुनिश्चित करने के लिए मनोनीत एजेंसियां नियमित ऑडिट करें। दूसरे, वे जुर्माना और कानूनी कार्रवाई सहित मजदूरी कानूनों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों को सजा दें।

तीसरा, सरकार श्रम कानूनों को मजबूत करे और श्रमिकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाये। चौथा, वे कानूनी सहायता और वित्तीय परामर्श सहित वेतन चोरी का अनुभव करने वाले श्रमिकों को संसाधन और सहायता प्रदान करे।

कंपनी द्वारा न्यूनतम मजदूरी की चोरी रोकने के लिए कर्मचारियों को सुझावः-

कर्मचारी, कंपनियों द्वारा अपने न्यूनतम वेतन की चोरी को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठा सकते हैं। सबसे पहले, वे अपने वेतन के साथ तुलना करने के लिए अपने काम के घंटों और अर्जित मजदूरी का विस्तृत रिकॉर्ड रखें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें सही तरीके से भुगतान किया जा रहा है।

दूसरे, श्रमिक अपने नियोक्ता को किसी भी मजदूरी की चोरी की रिपोर्ट कर सकते हैं और संबंधित श्रम प्रवर्तन एजेंसी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। वे अपने लुटे जा रहे वेतन की वसूली के लिए कानूनी सहायता भी ले सकते हैं और श्रम कानूनों के उल्लंघन के लिए अपने नियोक्ता को जवाबदेह ठहरा सकते हैं।

तीसरा, श्रमिक अपने सहयोगियों के साथ संगठित हो सकते हैं और मजबूत श्रम सुरक्षा और बेहतर कार्य स्थितियों की वकालत कर सकते हैं। कार्यस्थल में उचित वेतन और अन्य सुविधावों की मांग के लिए सामूहिक रूप से बातचीत करने के लिए यूनियनों में शामिल हो सकते है।

प्रदीप चौहान
ओखला फेस-2,
नई दिल्ली

एक कोशिश, जरिया बनने की

ज़हर जो उगले मेरी कलम
छील के ये रख देती है
क्रोध कि ज्वाला धधक रही
लिख शांत हो कलम कहती है।।
एक कोशिश,जरिया बनने की।।2।।
भूचालों से घिरे जज़्बात मेरे
भूचालों को कलम रूख देती है
बेबाक शब्दों की मालिक तू वीना
मेरी कलम ये मुझसे कहती है।।
एक कोशिश,जरिया बनने की।।2।।
अरे घटित हो अत्याचार कहीं भी
सहन ना कर पाए , वीना कहती है
सामने से चाहे कुछ ना कर पाए मदद्
वीना की कलम आवाज़
उठाती रहती है।।
एक कोशिश,जरिया बनने की।।2।।
लाखों करोड़ों की जनता मे से यदि
कुछ संख्या पढ़ सबब सीख पाएंगे
मेरी कलम की तब आवाज़ सार्थक होगी
जब कुछ टूटे घर जुड़ फिर मुस्कुराएंगे।।
एक कोशिश,जरिया बनने की।।2।।
हां हम तो समाज के लिए पहल कर
एक कोशिश कर जरिया बनते जाएंगे।।
लेखिका हम बेबाक शब्दों को सज़ा कर
सबके हित मे कलम चलाएंगे।।
एक कोशिश,जरिया बनने की।।2।।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

मजदूर

वर्ष में एक दिवस हम
मजदूर दिवस मनाते ,
क्या बस इतना ही सम्मान
हम इनका कर पाते?
संपूर्ण वर्ष ये मजदूर श्रम करते,
कितने यत्न से ये,अपने घर वालों की
जरूरतों को पूर्ण करते,
हम जब घरों में जश्न मनाते,
तब बहुत से मजदूर,
अपने घर जाने को तरसते ,
सर्दी हो या गर्मी ,
ये अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते,
श्रम तो ये तब भी करते
जब सावन भादो बरसते,
ये अपार श्रम कर के भी ,
सुख सुविधाओं को तरसते,
साधारण से दिखने वाले
ये मजदूर ,देश के निर्माण में ,
असाधारण भूमिका का निर्वहन करते,
करें हम सम्मान मजदूरों का,
जो अपने सपनों का त्याग ,
देश के सपनों को साकार करते।

सविता राज
मुजफ्फरपुर
बिहार

ये कैसा है मधुमास प्रिये

ये कैसा मधुमास प्रिए,
बस विरह वेदना साथ प्रिए।
तूं था तो सब कुछ अच्छा था,
ये ज़रा भी यौवन जैसा था।
तूं रहा न तेरी आस प्रिए,
बस विरह वेदना साथ प्रिए।
मन को तेरा अभिमान भी था,
अधरों का अमृत पान भी था।
छूटा नयनों का रास प्रिए,
बस विरह वेदना साथ प्रिए।
एक भोर सुहानी आई थी,
स्मृतियां चुनकर लाई थी।
अब रहा न कुछ आभास प्रिए,
बस विरह वेदना साथ प्रिए।
आ मिलकर छेड़े गान कोई,
बन जाए वितत वितान कोई।
बाकी तेरा एहसास प्रिए,
बस विरह वेदना साथ प्रिए।

बिंदू चौहान
खलीलाबाद,संतकबीर नगर
उत्तरप्रदेश

भोले कल फिर आओगे

मन मेरा हो रहा विकल है ,
क्या भोले कल फिर आओगे..?
बातें और जो करना तुमसे,
वो सुननें क्या फिर आओगे..?
मन मेरा .....
हां बातें तो कही थी मैंने,
पर लगता कुछ रही अधूरी,
भोले आओ कुछ बतियाएं,
वीणा के सुर-साज बजाएं।
मन मेरा .....
हम वैसे जब-भी मिलते हैं,
एक-दूसरे की कह लेते हैं,
कभी ताली तुम मुझको देते,
कभी ताली तुमको देते हैं।
मन मेरा ....
ना-नाराज कभी तुम होते,
परछाई बन मुझको सेते,
भाग मेरे खुल जाते जब-तब,
दर्शन तुम मुझको दे देते।
मन मेरा ....
मेरे जीवन के लेखे को,
भोले कुछ तो खास लिखा है,
मैं तो बस इतना पढ़ पाता,
नाम मेरा जहां दास लिखा है।
मन मेरा .....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

खिड़की पर टंगी चद्दर दोहरा काम देती

ऊँची मंज़िलों की रोशनी उनमें रहने वालों को मुबारक, एक मंज़िला मकान मुझे हर चीज़ से ज़्यादा अज़ीज है। मेरे किस काम की उन मखमली पर्दो की झिलमिलाहट ! खिड़की पर टंगी चद्दर दोहरा काम जो देती है।

इस कथन को अपनाते जिएँ, मौज में कटेगी जिंदगी। कहने का मतलब इतना है कि, कुछ लोग अपने से दो पायदान उपर खड़े लोगों से जलते खुद को जो मिला है उसे चीज़ का आनंद नहीं ले पाते। जब-जब बड़ी गाडियों को देखते है तब एक रश्क के साथ आसमान की ओर देखते कहेंगे ! काश मेरी लकीरों में भी इतना वैभव लिखा होता। जिंदगी से शिकायत नहीं, जिंदगी। से प्रेम करो। हर पल को जश्न सा जिओ।

अपेक्षाओं का कोई छोर नहीं संतुष्टि ही जिंदगी को सहज बनाती है। अपने से भी दो पायदान नीचे खड़े लोगों को देखो जिनके पास खुद का घर नहीं, न दो वक्त भर पेट भोजन मिलता है अपनी जिंदगी पर गुमान हो जाएगा। सकारात्मक सोच रखिए जो उनकी लकीरों में नहीं वो आपको हासिल है।

ताड़ी के पेड़ों को देख तुलसी का नन्हा सा पौधा शर्माता नहीं, न जिराफ़ की ऊँचाई देख खरगोश खिसीयाना होता है ! क्योंकि प्रकृति के हर सर्जन की अपनी-अपनी खासियत होती है, अपना रुतबा होता है। हर किसीके रास्ते, आसपास का वातावरण, काम और परिवार की हैसियत अलग-अलग होती है।

हर किसीको उपरवाले ने अलग-अलग उदेश्य देकर धरती पर भेजा है। अपने आप में हर कोई खास है। बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों में रहने वाले भी दाल, चावल, सब्ज़ी, रोटी ही खाते है। इसलिए जो हासिल है उसकी कद्र करते उतने में गुज़ारा करेंगे तो हर परिस्थिति में सुख नज़र आएगा। मोहाँध होते देखा-देखी में अपने सुखों का अपमान नहीं करते।

ताउम्र कितना कुछ पा लें हम पर संतुष्टि की ड़कार शायद ही कोई ले पाता होगा।

इंसान मन कि फ़ितरत है, दूसरे की थाली का लड्डू हंमेशा बड़ा देखने की। सुख और खुशी का मापदंड आजकज दूसरों की जीवनशैली की उपरी परतों को देखकर तय करते है लोग। किसीकी सफ़लता हमारा नुकसान नहीं, प्रेरणा होनी चाहिए। ईर्ष्या नहीं प्रयास करना चाहिए वही सुख वही सफ़लता पाने की। या तो जिसकी चाह है उसे पाने की जी जान से मेहनत कीजिए, नामुमकिन कुछ भी नहीं आप भी वो सारी सुख-सुविधा पा सकते है। या तो जो किस्मत से मिला है उसे अपना लीजिये।

बाकी किसको क्या मिला, किसने क्या पाया मेरी लकीरों में ये क्यूँ नहीं ये सोचकर किसी और के साथ अपने सुख और सफ़लता की तुलना जीवन में अभाव पैदा करती है, और ये अभाव और स्वभाव ही सारे दुःख का कारण है। दूसरों की उपरी चमक से आकर्षित होते हमें जो मिला है उसकी खुशी भी हम खो देते है। तो जो अपनी किस्मत और मेहनत से हासिल हुआ है वही सुख देता है, उसी में खुश रहना चाहिए।

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर,
कर्नाटक

श्रमिकों का विशेष दिवस अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस आज

किसी भी देश का विकास उत्पादन के चार साधनों अर्थात भूमि, श्रम, पूंजी और संगठन निर्भर करता है। इन चार साधनों में श्रम अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि श्रम ही है जोकि पूंजी, भूमि तथा संगठन का विकासात्मक कामों के लिए प्रयोग करता है। अगर किसी देश में श्रमिक ज्यादा हैं, कुशल और प्रशिक्षित हैं तो देश का विकास तीव्र गति से हो सकता है।श्रम की कार्यकुशलता उनके प्रशिक्षण, काम के घंटों, काम करने की दशाओं, वेतन, मालिक के द्वारा उनके साथ किया हुआ व्यवहार, काम करते समय मृत्यु या दुर्घटना होने पर मिलने वाला मुआवजा तथा स्त्री श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं पर निर्भर करता है। मजदूर दिवस का मनाया जाना 1 मई ,1886 से अमेरिका से शुरू हुआ जबकि मजदूरों ने काम के घंटों तथा मजदूरी को लेकर हड़ताल कर दी। अमेरिका में मजदूर दिवस के मनाए जाने के बाद भारत में 1934 में चेन्नई में श्रम दिवस मनाया गया। भारत में श्रम दिवस के जनक नारायण मेघाजी लोखंडे थे। आजकल श्रमिकों को पेश आने वाली कठिनाइयां तथा उनकी मांगों को पूरा करने के लिए विश्व के देशों में हर साल 1 मई वाले दिन अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस मनाया जाता है। इस दिन श्रमिक लोग अपनी मांगों को मनवाने के लिए जुलूस निकालते हैं, प्रदर्शन करते हैं और धरना देते हैं कहीं-कहीं भूख हड़ताल भी की जाती है। यह श्रम दिवस मनाने का ही प्रभाव है कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन रुह के निर्देशानुसार विश्व के अनेक देशों ने श्रमिकों के हित के लिए उनके वेतन निर्धारण, काम के घंटे, काम करने की जगह को सुरक्षित बनाना, मृत्यु होने पर अथवा मजदूर की अपनी गलती ना होने पर उसे चोट लगने पर मुआवजा देना, स्त्री श्रमिकों को लेकर कानून बनाना आदि को लेकर प्रगति हुई है।

भारत में

1 इंडियन नेशनल कांग्रेस
2 ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस
3 हिंद मजदूर सभा

आदि प्रमुख मजदूर संघ है। मजदूर संघ मजदूरों के द्वारा बनाया गया स्वैच्छिक संगठन है जिसके कि काम करने वाले मजदूर सदस्य बन सकते हैं। किसी भी उद्योग में अगर 50 से ज्यादा श्रमिक काम करते हैं तो वह मिलकर मजदूर संघ बना सकते हैं। इसे मिल मालिकों की तरफ से मान्यता या स्वीकृति प्राप्त होती है। मजदूर संघ समय-समय पर अपनी समस्याओं को लेकर मीटिंग करते रहते हैं। इसके कार्य को के लिए मजदूर लोग अपनी तरफ से कुछ चंदा देते हैं।

अगर कभी मजदूरों और मालिकों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो जाए तो मजदूर संघ बीच-बचाव करके समझौता कराने की कोशिश करते हैं। दोनों पक्षों में झगड़ा हो जाने की स्थिति में 2 तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं1 आपसी बातचीत के द्वारा झगड़ा निपटाना2 झगड़ा ना निपटने की स्थिति में इसे ट्रिब्यूनल को सौंप देना जिसमें सरकार, मिल मालिक तथा मजदूरों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं! समझौता समितियां जिला स्तर, राज्य स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर होती हैं!

मजदूर संघ मजदूरों के लिए दो प्रकार के काम करते है

1 :-मजदूरों की मांगों को मनवाना तथा

2:-कल्याणकारी कार्य जिसमें मजदूरों के बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करना, मजदूरों को प्रशिक्षण दिलवाना आदि!

आज से 30 या 40 साल पहले मजदूर दिवस पर मजदूर संघ अपनी मांगों को मनवाने के लिए संघर्षात्मक तरीके इस्तेमाल करते थे तथा 1 मई अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते थे। लेकिन आजकल औपचारिकता के तौर पर बेशक 1 मई को श्रम दिवस मनाया तो जाता है परंतु उसी जोश खरोश से नहीं जैसा कि पहले होता था। इसका मुख्य कारण श्रमिकों के कुछ वर्गों को उच्च वेतन मिलना, मालिकों का मजदूर संघों की गतिविधियों को अपने खिलाफ समझना, मालिकों द्वारा मजदूर संघ के नेताओं को रिश्वत देकर अपने पक्ष में करना, मजदूर संघ के हिसाब किताब में गड़बड़ी, मजदूर संघों का राजनीति में हिस्सा लेना, श्रमिकों का थोड़े समय के लिए मजदूर संघ का सदस्य बन जाना और फिर छोड़ जाना आदि आदि बातों ने मजदूर संघ को कमजोर कर दिया है जिसकी वजह से हर वर्ष 1 मई को श्रम दिवस मनाया जाना केवल औपचारिकता ही बनकर रह गया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि मालिक लोग श्रमिकों का खूब शोषण करते हैं, उनसे निर्धारित समय से ज्यादा घंटे काम करवाते हैं, वेतन सहित निर्धारित छुट्टियां नहीं देते, महिलाओं को कम मजदूरी दी जाती है, श्रम कानूनों की अवहेलना की जाती है, जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि को लेकर श्रम संघ के सदस्यों में आपसी फूट होने के कारण भी श्रम दिवस मनाने में कठिनाई होती है। धन के अभाव के कारण मजदूर संघ श्रम दिवस मनाने में दिलचस्पी नहीं रखते। मालिक लोग उद्योगों में उत्पादन की ऐसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हैं जिसमें कम मजदूरों की जरूरत पड़े जिसके कारण मजदूरों की छटनी करनी पड़ती है। विश्वव्यापी मंदी तथा कोरोना के कारण विश्व में बहुत सारे मजदूर बेकार हो गए हैं, जो काम कर रहे हैं उनको पूरे वेतन नहीं मिलते, निर्धारित समय से ज्यादा घंटे काम कराया जाता है। यहां यह बात समझ लेनी चाहिए कि प्रत्येक वर्ष 1 मई को केवल अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र के श्रमिक ही श्रम दिवस मना कर अपने मालिकों तथा सरकार का ध्यान अपनी मांगों की तरफ आकर्षित करते हैं! लेकिन भारत जैसे देश में असंगठित क्षेत्र जैसे कृषि, घरेलू नौकर, इमारतें तथा सड़कें बनाने के लिए ठेकेदारों द्वारा लगाए गए मजदूरों के लिए श्रम दिवस का कोई महत्व नहीं! इनके ना तो काम करने के घंटे निर्धारित हैं, ना कोई छुट्टी मिलती है, नाही काम के बदले में उचित वेतन मिलते हैं और ना ही इन्हीं कोई चिकित्सा सुविधा, बोनस, पेंशन या महंगाई भत्ता मिलता है! इस प्रकार के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए मई दिवस, मजदूर संघ, सरकार तथा समाज का विशेष दायित्व है! इसके अलावा हमारे देश में हर साल गांवों तथा शहरों के विद्यार्थी अपने मां-बाप की खून पसीने की कमाई के द्वारा ऊंची ऊंची डिग्री प्राप्त करते हैं परंतु उन्हें उनकी उच्च शिक्षा के अनुरूप कोई काम नहीं मिलता ! इनमें से कुछ सौभाग्यशाली ऐसे होते हैं जिन्हें कि मल्टीनेशनल कंपनियों में काम मिल जाता है। वहां भी इन्हें रोजगार की कोई सुरक्षा या गारंटी नहीं दी जाती। कंपनी इन्हें कभी भी काम से निकाल सकती है। अगर श्रम दिवस मनाया जाना है तो उपर्युक्त प्रकार के लोगों के हितों की रक्षा करना जरूरी है। आज जबकि श्रम दिवस पर मजदूरों के हितों की रक्षा करने की जरूरत है, मजदूर संघ, सरकार तथा उद्योगों के मालिक चाहते हुए भी श्रमिकों का भला नहीं कर सकते। ऐसे में श्रम दिवस का मनाना फीका फीका ही रहेगा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस का मनाया जाना 99 श्रमिकों के महत्व, उनकी समस्याओं तथा सरकार की जिम्मेवारी को तो याद कराता रहेगा।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक (हरियाणा)

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

डेढ़ करोड़ का राशन हेराफेरी के मामले में 11 लोगों पर अपराध दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा में शासकीय राशन में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। उचित मूल्य दुकान संचालक व सेल्समेन ने मिलकर करीब डेढ़ करोड़ का शासकीय राशन गबन कर लिया था। इस मामले में जांच के बाद खाद्य निरीक्षक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली व गांधीनगर थाने में दर्ज कराया है। दोनों थाने में दो-दो समितियों पर दर्ज कराए गए हैं। चारों समिति के अध्यक्ष सहित कुल 11 लोगों पर अपराध दर्ज कराया गया है। खाद्य निरीक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 1 मार्च 2022 से 15 नवंबर 2022 के बीच अंबिकापुर शहरी क्षेत्र में संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान से राशन हेराफेरी करने का मामला सामने आया था। इस मामले की जांच खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रायपुर द्वारा कराया गया था। जांच में सही पाए जाने पर खाद्य निरीक्षक सरगुजा श्वेता रानी को दोषियों पर अपराध दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। निर्देश के बाद खाद्य निरीक्षक ने कोतवाली के जाकिर हुसैन वार्ड बरेजपारा में संचालित सदर खाद्य सुरक्षा पोषण उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष अनवारूल, नाजिया बानो उपाध्यक्ष व मुस्तेबा खान सहायक विक्रता के खिलाफ अपराध दर्ज कराया गया है। इस समिति में 60 लाख 40 हजार 488 रुपए का राशन हेराफेरी किया गया था। वहीं अन्नपूर्णा खाद्य सुरक्षा पोषण उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति सत्तीपारा के अध्यक्ष रणजीत कौर, उपाध्यक्ष रूपिन्दर कौर व सहायक विक्रेता खुशदिल अहमद पर राशन हेराफेरी करने का अपराध दर्ज कराया गया है। इनके द्वारा समिति से 24 लाख 74 हजार 379 रुपए का राशन घोटाला किया गया था। वहीं गांधीनगर थाना क्षेत्र में संचालित समिति गोधनपुर सोसायटी के अध्यक्ष दशरथ सोनी, उपाध्यक्ष अभय राज इक्षसह व सहायक विक्रेता मनीष मेहता पर अपराध दर्ज कराया गया है। इनके द्वारा सोसायटी से 27 लाख 84 हजार व नमनाकला सोसायटी के अध्यक्ष वृजेश सोनी, उपाध्यक्ष रूपेश सोनी पर अपराध दर्ज कराया गया है। नमनाकला सोसायटी अंतर्गत 2 लाख 52 हजार का राशन गड़बड़ी का मामला पाया गया है। खाद्य निरीक्षक ने दोनों थाना में इन सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 409, 34 व आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 3/7 के तहत अपराध दर्ज कराया गया है। पुलिस ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाजपा पार्षद ने उठाया था मामला

भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने अंबिकापुर शहरी क्षेत्र के दुकानों से साढ़े चार करोड़ रुपए के राशन अफरा तफरी करने का आरोप दुकान संचालकों व सेल्समैनों पर आरोप लगाया था। आलोक दुबे ने मामले की शिकायत कलेक्टर से की थी। इस मामले की जांच खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रायपुर द्वारा कराया गया था। जांच के बाद खाद्य निरीक्षक द्वारा अपराध दर्ज कराया गया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहली बार घुटने का किया गया रिप्लेसमेंट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहली बार महिला के घुटने का रिप्लेसमेंट (टीकेआर) किया गया। महिला का दोनों घुटना खराब हो चुका है। फिलहाल चिकित्सकों ने एक घुटने का रिप्लेसमेंट किया है। ऑपरेशन के दूसरे दिन महिला को सफलता पूर्वक चलाया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहली बार घुटने का रिप्लेसमेंट किए जाने से चिकित्सकों में हर्ष है।

जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय पति देवी शहर के बाबूपारा की रहने वाली है। यह काफी दिनों से घुटने की दर्द से परेशान थी। चलना फिरना भी मुश्किल हो चुका था। 10 दिन पूर्व परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। यहां उसे सर्जरी हड्डी रोग विभाग में दिखाया गया। चिकित्कों ने इसकी सारी जांच कराई। जांच में पता चला की महिला का दोनों घुटना खराब हो चुका है। रिप्लेसमेंट करना पड़ेगा। चिकित्सकों ने महिला का ऑपरेशन कर टोटल घुटने का रिप्लेसमेंट (टीकेआर) किया। ऑपरेशन के दूसरे दिन महिला को सफलता पूर्वक चलाया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहली बार घुटने का रिप्लेसमेंट किए जाने से चिकित्सकों में हर्ष है।

जगह-जमीन को लेकर निःसंतान दंपति की बेदम पिटाई,पति की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जगह जमीन को लेकर भतीजे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर निःसंतान दंपति को लात मुक्के से बेदम पिटाई कर दी। मारपीट किए जाने से वृद्ध गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान पति की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रोनहा नगेशिया उम्र 60 वर्ष धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरडीह का रहने वाला था। वह अपनी पत्नी के साथ रहता था। इसके कोई संतान नहीं थे। 25 अप्रैल की रात को रोनहा पत्नी लिखनी के साथ सोया था। रात को भतीजा रामप्रसाद व उसकी पत्नी धनेश्वरी आए और दरवाजा खोलवाने लगे। आवाज सुनकर लिखनी दरवाजा खोली। दरवाजा खोलते ही पति-पत्नी ने पहले इसके साथ मारपीट करने लगे। बीच बचाव करने पहुंचा रोनहा को भी मारपीट करने लगे। मारपीट किए जाने से रोनहा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इस दौरान पति की जान बचाने के लिए लिखनी बाइ कंधे पर टांग कर गांव में ही देवर के घर ले गई। पूरी रात वहीं रहे। दूसरे दिन सुबह तबियत विगडने पर उसे इलाज के लिए धौरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान रोनहा की मौत हो गई।

चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार-प्रसार करने के लिए वक्ताओं के चयन के लिए कार्यशाला

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ के निर्देश पर रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन अम्बिकापुर में वक्ताओं के चयन की कार्यशाला आयोजित की गई। छत्तीसगढ की आवाज-कांग्रेस की आवाज के नाम से आयोजित इस कार्यशाला में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा इस अभियान हेतु नियुक्त सरगुजा जिला प्रभारी विजय बघेल जो अंत्यव्यवसायी निगम एवं वित्त निगम के सदस्य हैं, एवं अभियान के प्रभारी विभोर सिंह की मौजूदगी में चयन प्रक्रिया संपादित हुई। मौजूदा समय में चुनावी प्रचार के बदलते राजनैतिक परिवेश के मद्देनजर कांग्रेस ने जिला स्तर पर ऐसे वक्ताओं के चयन का अभियान चलाया हुआ है जो कि आने वाले चुनावों में बूथ लेबल तक पार्टी के लिये प्रचार-प्रसार का काम करेंगे। इसके लिये कांग्रेस ने 22 अप्रैल से 30 अप्रैल तक के लिये एक अभियान चलाया है। कांग्रेस का उद्देश्य इस अभियान के माध्यम से पार्टी के लिये भविष्य के वक्ताओं की खोज करना है। वक्ता चयन अभियान की कार्यशाला में सरगुजा जिले के सभी विकासखंड से कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए चयन अभियान के सरगुजा प्रभारी विजय बघेल ने बताया कि पार्टी और सरकार की योजनाओं की आकडों सहित समझ एक कार्यकर्ता में अच्छे वक्ता का विकास करती है। पार्टी के विचारधारा का ज्ञान इस तथ्यों को आमजन तक पहुंचाने में मदद करता है। इस अभियान के प्रभारी एवं पूर्व पुलिस अधिकारी विभोर सिंह ने प्रदेश सरकार की उन नितियों को साझा किया जिसके बदौलत पूरे देश में छत्तीसगढ की बेरोजगारी दर सर्वाधिक कम है। उन्होंने प्रदेश के कांग्रेस सरकार की लोकप्रिय नितियों को जनता तक पहुँचाने के तरीकों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने भाषण कला के साथ ही साथ प्रचार-प्रसार के साधनों के तरीकों के उपयोग को समझाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रकेश गुप्ता ने चयन समिति के प्रभारियों से अनुरोध किया कि सरगुजा जिले में वक्ताओं के चयन हेतु निर्धारित संख्या में छूट प्रदान कर अधिक से अधिक लोगों वक्ता नियुक्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने भारी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता का इस बात के लिये आभार जताया कि वे चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यक्रम को विनय शर्मा, दुर्गेश गुप्ता, प्रमोद चौधरी, विकल झा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अनूप मेहता के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में सैयद अख्तर हुसैन, मधु द्विक्षित, संध्या रवानी, प्रभात रंजन सिन्हा, मो0 कलीम अंसारी, काजू खान, अविनाश कुमार, अनिमेश सिन्हा, राजनीश सिंह, पंकज शुक्ला, आलोक गुप्ता, फैसल सिद्धकी, विकास केशरी आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को जिले भर में जगह-जगह सुना गया

» केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा,भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाडे, भाजपा नेता रामकृपाल ने भी मतदान केन्द्र पर सुना मन की बात कार्यक्रम

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड का प्रसारण जिले के अधिकांश मतदान केन्द्रों पर सुना गया।भाजपा ने जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र क्रमशः प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर के सौ सौ मतदान केन्द्रों में मन की बात सुनने का लक्ष्य रखा था।मन की बात के 100वे एपिसोड को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ आमजनों मे भी खासा उत्साह था। केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने प्रेमनगर विधानसभा के झूमरपारा, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने प्रेमनगर विधानसभा के रामनगर, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने भटगांव विधानसभा के चेन्द्रा, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े ने भटगांव में प्रधानमंत्री मोदीजी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिले मे जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम के लिए व्यापक तैयारियां की थी इसके लिए अलग अलग मतदान केंद्रों के लिए अतिथि व व्यवस्था प्रभारी नियुक्त किए गए थे। मन की बात कार्यक्रम मे प्रदेश से लेकर जिले व मंडलो के पदाधिकारी भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देश के अलग अलग इलाके से विभिन्न क्षेत्रों मे उनके सराहनीय कार्यो का उल्लेख करते हुए उनकी प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र हितग्राहियों को किया राशि अंतरण

» सरगुजा जिले में 2260 हितग्राहियों को 56.50 लाख रुपये मिली बेरोजगारी भत्ता की राशि

» युवाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत प्रदेश में पात्र हितग्राहियों को योजना की राशि उनके खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र पाए गए 66 हजार 256 हितग्राहियों के खाते में 16 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। इन हितग्राहियों के खाते में 25 सौ रूपए अंतरित किए गए, जो प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिलों से पात्र हितग्राहियों से भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भत्ते की राशि आप सभी की उच्च शिक्षा में, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में तथा प्रशिक्षण के दौरान उपयोगी होगी। आप सभी के रोजगार की उचित व्यवस्था हो, इसके लिए भी हमने कार्य योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी बहुत स्वाभिमानी है, चूंकि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं अथवा स्वरोजगार के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं। इस अवधि में जरूरी खर्चों के लिए आप को इस मासिक भत्ते से सहयोग मिल पाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में कलेक्टोरेट के ई-सेवा केंद्र में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कार्यक्रम में इस अवसर में खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम, मदरसा बोर्ड के उपाध्यक्ष इरफान सिद्की, कलेक्टर कुन्दन कुमार, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं योजना के पात्र हितग्राहियों सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश एवं विदेश से आए शोध पत्रों के वाचन उपरांत दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स का हुआ समापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय,सरगुजा द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेन्स ऑन एडवांसमेंट इन साइंस, मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी, सोशल साइंस एण्ड ह्यूमेनिटिज रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन सत्र का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के पश्चात डॉ. जुनेद खान द्वारा प्रस्तावना एवं अतिथियों के लिए स्वागत उद्बोधन से हुआ।

समापन समारोह की अध्यक्षता, कुलपति प्रो. अशोक सिंह ने की,उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा उद्देश्य संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा को अकादमिक क्षेत्र में आदर्श के रूप में स्थापित करने का है। इस कार्य में अनेको कठीनाईया और संघर्ष है परन्तु हमे कठिन परिश्रम से विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना है। उन्होने आगे कहा कि जब उन्होने विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था तब यहाँ शोध संबंधित गतिविधियां निष्क्रीय थीं परन्तु अब स्थितियों में सुधार हुआ है तथा अकादमिक एवं शोध संबंधित गतिविधियों में गतिशीलता आई है। उन्होने इस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हर छः माह में ऐसे ही आयोजन करने की घोषणा की। अंत में उन्होने बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय से आए प्रो. बलदेव राज गुप्ता का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए उन्हे भविष्य में भी ऐसे आयोजनो में विश्वविद्यालय के प्राध्यापको एवं विद्यार्थियों का ज्ञान वर्द्धन करने हेतु आग्रह किया। उन्होने प्रेस एवं मीडिया का विशेष रूप से धन्यावाद देते हुए कहा की मीडिया के माध्यम से ही समाज में इस कांफ्रेन्स का संदेश पहुचाया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के भूतपूर्व डीन प्रो. बलदेव राज गुप्ता ने इस समारोह को अदभुत बताते हुए कहा कि सरगुजा जैसे दुरस्थ अंचल के विद्यार्थियों का अमेरिका जैसे विकसित देश से मिलन निश्चित ही इस क्षेत्र को शिक्षा एवं प्रगति की ओर अग्रसर करने में मील का पत्थर साबित होगा। इस कांफ्रेन्स में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों एवं शोधार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं लगभग 60 प्रतिशत शोध पत्रों का वाचन उन्ही के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एण्डांग विश्वविद्यालय कोरिया से डॉ. संपश्र घोष, सलाह ओमान से डॉ. अभिषेक दुबे, केन्द्रीय विश्वविद्यालय शिलांग से प्रो. हितेन्द्र मिश्रा, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय से प्रो. मनोज सिंह, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. अनिता सिंह एवं डॉ. प्रियंका मिश्रा, नई दिल्ली से प्रो. अमर पाल सिंह एवं अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर से प्रो. कलाधर ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। विभिन्न तकनीकि सत्रों में कुल 79 शोध पत्रों का वाचन हुआ। कांफ्रेन्स में तय मानकों के आधार पर बेस्ट रिसर्च पेपर का पुरस्कार प्रबंधन विषय में समन नारायण उपाध्याय (सरगुजा) एवं राज ठाकरे (सेगाव), सामाजिक विज्ञान में अंकिता केशरी (सरगुजा), मानविकी विषय में डॉ. राज कुमार उपाध्याय (सरगुजा), विज्ञान विषय में रोजिता मिश्रा (उड़ीसा), अखिलेश यादव (राजस्थान), अवधेश कुमार (सरगुजा) एवं शीमा विलोरकर (बिलासपुर), तकनीकी में हादी जलजले (कुवैत), एनूल हक सादी (मेघाल्या), प्रकाश पाठक एवं अरूण कश्यप (बिलासपुर) को दिए गए। साथ ही साथ ग्लोबल नालेज फाउंडेसन, अमेरिका द्वारा जीकेएफ अंतर्राष्ट्रीय लाईफ टाईम एचुयूमेन्ट पुरस्कार संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक सिंह को एवं डिस्टिंगुविस्ट सर्विस अवार्ड कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद तोण्डे को दिया गया। ग्लोबल नालेज फाउंडेसन, अमेरिका द्वारा ऑरगनाईजिंग समिति के सदस्यों को सम्मान के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस कांफ्रेन्स में प्रस्तुत किए गए उच्च स्तरीय शोध पत्रों का प्रकाशन एल्सवियर एवं स्प्रींजर जैसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त प्रकाशकों की शोध पत्रिकाओं में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कार्यपरिषद के सदस्य, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षण विभाग के सभी प्राध्यापक, अतिथि शिक्षक तथा समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। मंच का संचालन श्री खेमकरण अहिरवार एवं आस्था पाठक ने किया तथा कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन हरिशंकर प्रसाद तोण्डे द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री ने बेरोजगार भत्ता के लिए 16 करोड़ रूपया दिया

हितग्राहियों के प्रशिक्षण की होगी व्यवस्था, उच्च शिक्षा के लिए और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को भी मिलेगी मददः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

» कोरिया की कोमल ने बताया कि मैं शिक्षिका बनना चाहती हूं

» ऐश्वर्या साहू ने बताया कि अब वो आगे की पढ़ाई करेगी

रायपुर,30अप्रैल2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र पाए गए 66 हजार 256 हितग्राहियों के खाते में 16 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। इन हितग्राहियों के खाते में 25 सौ रूपए अंतरित किए गए, जो प्रतिमाह दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भत्ते की राशि आप सभी की उच्च शिक्षा में, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में तथा प्रशिक्षण के दौरान उपयोगी होगी। आप सभी के रोजगार की उचित व्यवस्था हो, इसके लिए भी हमने कार्य योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी बहुत स्वाभिमानी है, चूंकि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं अथवा स्वरोजगार के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं। इस अवधि में जरूरी खर्चों के लिए आप को इस मासिक भत्ते से सहयोग मिल पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा जैसा कि युवाओं से चर्चा की सभी के मन में भविष्य को लेकर बहुत से सपने हैं। उन सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें थोड़ा वक्त चाहिए। वे अपने परिवार का बोझ बांटना चाहते है। अब वे न केवल अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पाएंगे। साथ ही उचित रोजगार के लिए अपने को तैयार भी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन बेहद सरल है, इसके लिए केवल ऑनलाईन आवेदन करना होता है। डीबीटी से राशि चली जाती है। एक महीने में हमने 16 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित कर दी है। पहले इसके पात्रता नियम काफी कठिन थे, अब यह सरल हैं। ढाई लाख रुपये तक के आय वाले इसके पात्र हैं। मैं आज इस राशि का वितरण कर रहा हूं लेकिन सच्ची खुशी तब होगी जब आपको रोजगार मिलेगा। इसके लिए भी 6 महीने की कार्य योजना बनाई है। आपके प्रशिक्षण के लिए भी पूरी व्यवस्था है। भर्तियों की हमारी तैयारी पूरी है।

मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 मार्च को बजट पारित हुआ और 1 अप्रैल से ऑनलाईन आवेदन लेना शुरू कर दिया। 67 हजार लोगों को आज राशि अंतरित कर दी है। एक महीने के भीतर इतना बड़ा काम करना बहुत कठिन था। रिकॉर्ड समय में काम

मैं आज इस राशि का वितरण कर रहा हूं लेकिन सच्ची खुशी तब होगी जब आपको रोजगार मिलेगा

कैसे हो सकता है। यह इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मैं इससे जुड़े मंत्री उमेश पटेल, प्रमुख सचिव आलोक शुक्ला और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ। यह बड़ा टास्क था जो पूरा हुआ। मैंने उन्हें समय-सीमा दी थी और उन्होंने इसे पूरे मनोयोग से कर दिखाया।

इस मौके पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री उमेश पटेल, स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, प्रमुख सचिव कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग डॉ. आलोक शुक्ला, मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद, विभाग के संचालक अवनीश शरण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। प्रत्यक्ष रूप से तथा वर्चुअल रूप से जुड़े हितग्राहियों से की चर्चा- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रत्यक्ष रूप से तथा वर्चुअल रूप से प्रदेशभर के बेरोजगारी भत्ता से जुड़े हितग्राहियों से चर्चा की। सरगुजा के हितेश ने बताया कि इस राशि से आगे पढ़ाई में मदद मिलेगी। मेघा खांडेकर ने बताया कि मम्मी हाउसवाइफहैं। मुझे इन पैसों से अपने सपनों को पूरा करने में मदद मिलेगी। हम आपके द्वारा दिये गए पैसों का बेहतर उपयोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी को रोजगार दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं। रायगढ़ से जुड़ी ईश्वरी साहू ने कहा कि मैं पीजीडीसीए की पढ़ाई कर रही हूं। मम्मी सिलाई करती हैं। पिता प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। वेतन काफी कम है। मुझे आगे की पढ़ाई के लिए काफी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बेरोजगारी भत्ते की पात्रता को काफी शिथिल किया, इससे बड़ी संख्या में युवाओं को लाभ मिला है।

कोरिया की कोमल ने बताया कि मैं एमएससी कर रही हूं। आगे शिक्षिका बनना चाहती हूं। कोमल ने बताया कि अपनी पढ़ाई के लिए इस राशि का उपयोग करूंगी। दुर्ग की ऐश्वर्या साहू ने बताया कि उसने बीएड किया है। अब आगे की पढ़ाई करूंगी। रोजगार के लिए बहुत से फॉर्म आते हैं उन्हें भरूँगी। ऐश्वर्या ने मुख्यमंत्री को अपना एसएमएस भी दिखाया जिसमें भत्ते की राशि डीबीटी से आई थी। मुख्यमंत्री ने खुशी जताई।

सरगुजा की प्रियंका पैकरा ने बताया कि मैं इस पैसे से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करूंगी। आपको वादा करती हूं कि डिप्टी कलेक्टर, कलेक्टर बनूंगी। बिलासपुर से आये वैभव ने बताया कि पूरे देश भर में परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरता हूँ। आपने तो व्यापम और पीएससी के लिए फॉर्म का शुल्क मुफ्त कर दिया है पर शेष राज्यों में यह अब भी है।

महासमुंद से ऋषभ चंद्राकर ने बताया कि कोचिंग करना है तो फीस देना है

महासमुंद से ऋषभ चंद्राकर ने बताया कि कोचिंग करना है तो फीस देना है। अब हम लोगों की फीस की व्यवस्था हो जाएंगी।

मितांजली ने बताया कि आपके पैसे से ट्यूशन क्लास चलाउंगी

मितांजली ने बताया कि आपके पैसे से ट्यूशन क्लास चलाउंगी और लोगों को मुफ्त में गणित पढ़ाऊंगी।

संजना तिवारी ने कहा कि वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करेगी

रायपुर की संजना तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए घर पर निर्भर रहते हैं। अब इस भत्ते से हम घर वालों पर निर्भर नहीं रहे और पूरे मनोयोग से तैयारी करूंगी और डिप्टी कलेक्टर बनूंगी। गजानंद ने बताया कि मेरे मम्मी-पापा मजदूर हैं। मैं परीक्षा की तैयारी करना चाहता हूं। खैरागढ़ के एक युवक ने बताया कि अपने गांव में मैं इकलौता बीएड हूँ। अब भत्ता मिलेगा तो शिक्षक भर्ती के लिए तैयारी करूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य यह है कि आप सभी को रोजगार के लिए तैयारी करने मौका मिले, प्रशिक्षण मिले। अब आप अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने डॉ. गीतेश अमरोहित की पुस्तक 'बासी' का किया विमोचन

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में डॉ. गीतेश कुमार अमरोहित की पुस्तक-'बासी' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री को डॉ. गीतेश अमरोहित ने बताया कि बासी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का अभिन्न अंग है। पिछले वर्ष पूरे प्रदेश के साथ विदेशों में भी बोरे बासी दिवस पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन से प्रेरित होकर उन्हें बासी पर किताब लिखने का विचार आया। इस पुस्तक में बासी से संबंधित विभिन्न जानकारियां जैसे- बासी बनाने की विधि, बासी के पोषक तत्व, बासी खाने से विभिन्न बीमारियों में होने वाले लाभ, छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में बासी का महत्व सहित बासी की अन्य विशेषताओं का संकलन किया गया है। पिछले वर्ष बोरे बासी दिवस पर विदेशों में भी मनाया गया, जिसके विषय में भी जानकारी किताब में दी गयी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 33 करोड़ 12 लाख रूपए से अधिक के 18 कार्यों का किया शिलान्यास व लोकार्पण

» जरहागांव को मिलेगा नगर पंचायत का दर्जा, खुलेगा का नया कॉलेज,

» मुंगेली विधानसभा में बघेल ने की घोषणा

रायपुर,30अप्रैल2023(ए)। प्रदेश व्यापी भेंट- मुलाकात कार्यक्रम अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज मुंगेली विधानसभा के ग्राम पंचायत जरहागांव पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां 33 करोड़ 12 लाख 67 हजार रूपए के 18 विकास और निर्माण कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इसमे 31 करोड़ 45 लाख 13 हजार रूपए के 16 शिलान्यास तथा 01 करोड़ 67 लाख 54 हजार रूपए के 2 लोकार्पण कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने जिला चिकित्सालय मुंगेली में 23 करोड़ रूपए की लागत से क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लाक निर्माण कार्य, ग्राम दुल्लापुर से जल्ली तक लंबाई 01.50 किमी. 92.89 लाख रूपए की लागत से सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 83.76 लाख रूपए की लागत से टी 04 से नेवासपुर 3.7 किलोमीटर

लम्बाई सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 76.58 लाख रूपए की लागत से टी 06 रोड से जल्ली 3.6 किलोमीटर लम्बाई सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 75.25 लाख रूपए की लागत से विकासखण्ड पथरिया के कंचनपुर में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य, 74.22 लाख रूपए की लागत से टी 04 से किरना 4.17 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 73.77 लाख रुपए की लागत से एल 086 चिचेसरा से मुंगेली 3.9 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 65.17 लाख रूपए की लागत से टी 05 रोड से चैराबुंदेली 2.94 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 53.83 लाख रूपए की लागत से टी 06 दुल्लापुर से लछनपुर 2.32 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 50 लाख रूपए की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जरहागांव में ब्लाक प्रोग्राम हेल्थ यूनिट सह पब्लिक हेल्थ लैब निर्माण कार्य, 39.56 लाख रूपए की लागत से ग्राम बरछालाटा से रौनाकापा 2.54 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 36.97 लाख रूपए की लागत से ग्राम कुकूसदा से पंडरियाझाप 2.49 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 35.33 लाख रूपए की लागत से एल 048 रेहुंटा से एम. डी. आर. मुंगेली नांदघाट रोड 1.81 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य, 33.63 लाख रूपए की लागत से जिला चिकित्सालय मुंगेली में इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ (हमर लैब) का निर्माण कार्य, 29.17 लाख रूपए की लागत से ग्राम बरछा से गोइंद्रा 2.37 किलोमीटर सड़क मार्ग निर्माण कार्य और 25 लाख रूपए की लागत से मुंगेली के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मो. बशीर खान वार्ड का शहरी हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 97.54 लाख रूपए की लागत से मुंगेली नहर से कांपा (फंदवानी) पहुंच मार्ग लंबाई एक किलोमीटर और 70 लाख रूपए की लागत से रूसा अंतर्गत शासकीय जे. पी. मिश्र विज्ञान महाविद्यालय मुंगेली में रिनोवेशन कार्य का लोकार्पण किया।

श्रम दिवस पर होगा श्रमवीरों का सम्मान

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 47.12 करोड़ रूपए की राशि श्रमिकों के बैंक खातों में अंतरित करेंगे

रायपुर,30अप्रैल2023(ए)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 01 मई के अवसर पर राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दोपहर 12 बजे से श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री बघेल लगभग एक लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 47.12 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित करेंगे और आरंग और पाटन में श्रमिक सहायता केन्द्र का शुभारंभ भी करेंगे।

साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किए जा रहे श्रमिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री बघेल राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। सम्मेलन में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर श्रमिकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस मौके पर श्रमिकों के सम्मान में सामूहिक बोरे-बासी भोज का आयोजन होगा। गौरतलब है कि

छत्तीसगढ़ के विकास में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए मुख्यमंत्री बघेल की मंशा के अनुरूप श्रमिक दिवस के दिन श्रम के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने प्रदेश में बोरे-बासी तिहार का भी आयोजन किया जा रहा है।

श्रमिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्रम विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं पर 47.12 करोड़ रूपए की राशि का बैंक खातों में अंतरण करेंगे। इनमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अतर्गत 83086 हितग्राहियों को 22.76 करोड़ रूपए छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक मंडल अंतर्गत 11542 हितग्राहियों को 20.83 करोड़ रूपए, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अतर्गत 6457 हितग्राहियों को 3.09 करोड़ रूपए तथा कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं अंतर्गत 50 बीमित व्यक्ति को चिकित्सा हितलाभ राशि 44.55 लाख रूपए इस प्रकार कुल 101135 हितग्राहियों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 47.12 करोड़ रूपए की राशि अंतरण शामिल है।

श्रमिक सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी. एस. सिंहदेव, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री मती अनिला भेंड़िया, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल, आवास एवं पर्यावरण तथा वन मंत्री मोहम्मद अकबर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, सहित सांसद सुनील सोनी शामिल होंगे।

अरनपुर हमले में नक्सलियों ने तीन आइईडी का एक साथ किया था विस्फोट

» सड़क किनारे से सुरंग बनाकर आईईडी लगाया था,जांच में मौके से मिले तीन डेटोनेटर

दंतेवाड़ा, 30अप्रैल2023(ए)। जिले के अरनपुर में 26 अप्रैल को हुए नक्सली आईईडी विस्फोट के जांच में सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि नक्सलियों ने इस वारदात को अंजाम देने में किसी भी तरह से चूक की गुंजाईश को शून्य करने के लिए सड़क पर बारूदी सुरंग का पूरा जखीरा लगा दिया था। नक्सलियों ने नकुलनार से अरनपुर जाने वाली सात मीटर चौड़ी पक्की डामर सड़क पर सुरंग बनाकर तीन आइईडी लगाई थी। तीनों आइईडी का एक ही कनेक्शन किया था। नक्सलियों ने करीब सौ मीटर पर नक्सली बैटरी लेकर बैठे थे। नक्सलियों ने सड़क की चौड़ाई अधिक होने के चलते तीन आइईडी लगा रखे थे। नक्सलियों ने दो आइईडी किनारे और एक बीच में लगा रखा था। तीनों आईईडी एक साथ फटे और जवानों से भरी गाड़ी के परखच्चे उड़ गये। इस घटना में डीआरजी के दस जवान और एक वाहन चालक की मौत हो गयी। पुलिस की जांच रिपोर्ट के संबध में किसी ने भी सार्वजनिक तौर पर खुलासा नही करने की बात कही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटनास्थल की जांच के दौरान आइईडी के तीन कनेक्शन मिले हैं, नक्सलियों ने प्रत्येक आइईडी में दो

डेटोनेटर लगाए थे। सभी आइईडी का एक ही कनेक्शन सड़क के किनारे से जंगल तक नक्सली तार ले गए थे। बताया जा रहा है कि बीस-बीस किलो की तीन आइईडी नक्सलियों ने लगा रखी थी। अभी तक दंतेवाड़ा में जितने भी आईईडी विस्फोट अरनपुर घटना से पहले हुए थे सभी कम चौड़ाई वाले सड़कों पर नक्सलियों ने किए थे। इन सड़कों की लंबाई 3,75 मीटर की होती है। आईईडी प्लांट करने के लिये नक्सलियों ने सड़क को कहीं भी नहीं काटा बल्कि सड़क किनारे से सुरंग बनाकर आईईडी प्लांट किया था। करीब चार फीट व्यास वाली सुरंग का निर्माण नक्सलियों ने आईईडी लगाने के लिये किया था। इस सुरंग में हट्टा कट्टा व्यक्ति भी आसानी से अंदर जा सकता था। सुरंग बनाने में नक्सलियों को तीन से चार दिन का वक्त लगने का अनुमान है।

नक्सली दंतेवाड़ा में इससे पहले पालनार-किरंदुल सड़क पर एंटी लैंड माइंस व्हीकल को सिंगल सड़क पर नक्सलियों ने निशाना बनाया था। इसके बाद कटेकल्याण के गाटम में भी कम चौड़ाई वाले सड़क पर लैंड माइंस व्हीकल को नक्सलियों ने विस्फोट किया था। मैलेवाडा और श्यामगिरी में भी कम चौड़ाई वाले सड़क पर एक ही आइईडी से नक्सलियों ने विस्फोट की घटना को अंजाम दिया था। सुकमा मार्ग पर चिंगावरम में भी जब घटना हुई थी तब ये सड़क भी कम चौड़ाई वाली थी।

आरनपुर के डबल सड़क में नक्सलियों ने पहली बार एक साथ तीन आइईडी प्लांट कर जवानों को निशाना बनाया है। अभी तक कुछ हद तक पक्की डामर और चौड़ी सड़कों को विस्फोट से कुछ हद तक सुरक्षित माना जाता था। अरनपुर घटना के बाद अब पुलिस को फिर से नई चुनौती मिली है। पक्की डामर सड़क के अंदर लगाये गये माइंस को मेटल डिडेक्टर से भी पकड़ने में सफलता नहीं मिलती है।

एक ऐसा सेंटर जहां डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं बोरे बासी

» अब तक 18 हजार मरीजों सफलतापूर्वक इलाज

रायपुर,30अप्रैल2023(ए)। एक तरफ मेडिकल साइंस नए नए अन्वेषण और आधुनिक उपकरणों से बीमारियों का उपचार करने में सफलता हासिल कर रही है, वही दूसरी ओर छत्तीसगढ़ का प्रिय और पारम्परिक आहार बोरे बासी से भी कई रोगों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है। यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति का ही प्रभाव है कि अब डॉक्टर भी प्रिस्क्रिप्शन में बोरे बासी रिकमेंड करते हैं।

जिला मुख्यालय महासमुंद से लगभग 40 किलोमीटर दूर ग्राम पटेवा के पास ग्राम रायतुम में एक ऐसा नेचर क्योर सेंटर है जहां डॉक्टर भी मरीज के डाइट में बोरे बासी को अनिवार्य और मुख्य आहार के रूप में शामिल करते हैं।

यहां के डॉक्टरों का मानना है कि बोरे बासी में भरपूर विटामिन बी 12, कैल्शियम, पोटेशियम सहित अनेक पौष्टिक गुण के साथ हृदय रोग, स्किन रोग, डायरिया सहित अनेक रोगों से लड़ने की क्षमता है। पहले यह सामान्य समझ थी कि बोरे बासी सिर्फ राज्य के मजदूर और किसानों का प्रिय आहार है, लेकिन अब हमारे राज्य के बोरे बासी को देश के साथ विदेशी लोग भी बड़े चाव से खा रहे हैं। दरअसल में बोरे बासी छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आहार का अभिन्न हिस्सा रहा है। यहां के मजदूर किसान गर्मी के दिनों में बोरे बासी खाकर ही काम में निकलते थे।

गत वर्ष हमारे छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने श्रमवीरों के सम्मान में स्वयं बोरे बासी खाये थे। इस वर्ष भी उन्होंने 1 मई श्रमिक दिवस को बोरे बासी तिहार के रूप में मनाने अपील की है।

ग्राम रायतुम में वर्ष 2018 से फाइव लोटस इंडो जर्मन नैचर क्योर सेंटर संचालित है जहां बोरे बासी अन्य डाइट के साथ इलाज का मुख्य माध्यम है। यहां की चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर रंजीता ने बताया कि बोरे बासी में चावल में पाए जाने

वाले आर्सेनिक की मात्रा को कम करने की अद्भुत क्षमता है।

इसके अलावा यह शरीर मे आयरन की कमी को दूर करता है, पेट को ठंडक पहुंचाता है और गर्मी में लू लगने से बचाता है। यहां तक कि यह पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखता है।

डॉक्टर रंजीता ने बताया कि सप्ताह में यदि तीन बार भी बोरे बासी खाया जाए तो इससे मेमोरी पावर गेन होती है और एकाग्रता बढ़ती है।उन्होंने यह भी कहा कि बोरे बासी के सेवन से माउथ अल्सर के उपचार में भी मदद मिलती है।

शिशुवती माताओं के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। बोरे बासी खाने से मां का दूध भी पर्याप्त मात्रा में बनता है उन्होंने कहा कि यहां बोरे बासी में अदरक ,दही ,हरी मिर्च, सेंधा नमक,काला नमक ,प्याज मिलाकर और राई के छौंक लगाकर यहां भर्ती मरीजों को दिया जाता है। इससे इसका स्वाद भी बढ़ता है साथ ही मरीजों के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

सेंटर में बोरे बासी बनाने वाले सैफ श्री राज किशोर ने बताया कि पहले चांवल को पकाते हैं। फिर पके हुए चावल में से आधा पसिया को निकाल देते हैं। फिर उसे ढककर किसी गर्म जगह पर रात भर के लिए रखते हैं। सुबह इसे टमाटर चटनी (सिलबट्टा), लाल भाजी, पालक, चौलाई भाजी,ककड़ी के साथ खाते हैं।

यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है साथ ही इससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि बोरे बासी खाने से चाय कॉफी और यहां तक शराब की लत भी धीरे-धीरे छूट जाती है।

यहां स्वास्थ लाभ लेने पहुंची अंबिकापुर की स्वेच्छा सिंह ने बताया कि जब से वे यहाँ आई है तब से उन्हें अन्य डाइट के साथ बोरे बासी दिया गया। इससे उन्हें वास्तव में स्वाथ्य लाभ मिला है तनाव दूर हुई है और मानसिक एकाग्रता बढ़ी है। सेंटर के संचालक राजेश सिंह ने बताया कि इस सेंटर की स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी और यहां 100 बेड की सुविधा है।

यहां देश भर के अलावा अन्य देश के लोग भी विभिन्न रोगों का उपचार कराने पहुंचते हैं। यहां अभी तक लगभग 18 हजार लोगों का बोरे बासी खिलाकर सफलता पूर्वक उपचार किया गया है।

जिला अस्पताल में भ्रूण मिलने से मचा हड़कंप

बिलासपुर,30अप्रैल2023(ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले मातृ शिशु अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया जब यहां सफाई कर्मियों ने महिला शौचालय में मरे हुए भ्रूण को देखा। मौके से इसकी जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी गई। जिसके बाद सिविल सर्जन ने पुलिसिया कार्यवाही के लिए भ्रूण को सुरक्षित लेबर रोटी में रखवाया।

जिला अस्पताल में दूसरी बार है जब किसी अज्ञात ने यहां शौचालय में भ्रूण फेंका है। इसी तरह रविवार की सुबह सफाई कर्मचारी हमेशा की तरह अपना कामकाज कर रहे थे। तभी मातृ शिशु अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर स्थित महिला शौचालय में उन्होंने सफाई के दौरान एक मरे हुए भ्रूण को देखा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची तारबाहर पुलिस ने भी पंचनामा कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस यहां लगे सीसीटीवी कैमरे के जरिए पता लगा रही है कि आखिर इस तरह का कृत्य किसने किया है। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों को दी मई दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर,30अप्रैल2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर श्रमवीरों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर श्री बघेल ने सभी श्रमिकों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। बघेल ने कहा है कि एक मई को हर साल हम मेहनतकश श्रमिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मजदूर दिवस मनाते हैं। यह श्रमिकों की मेहनत और समर्पण के सम्मान का दिन है।

डॉ रश्मि पर निलंबन की कार्यवाही करने से क्यों घबरा रहा विभाग ?

» डॉ रश्मि द्वारा उपचार के दौरान जच्चा-बच्चा मौत मामले में डॉक्टर के अधीनस्थ निर्दोष नर्सों को जांच टीम ने क्यों किया सस्पेंड ?

» डॉ रश्मि पर निलंबन की कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं और 2 नर्सों की लापरवाही बता सस्पेंड कर गठित जांच टीम थपथपा रही अपनी पीठ

» रश्मि नर्सिंग होम में जच्चा बच्चा की हुई मौत और जिला चिकित्सालय के 2 स्टाफ नर्स हुए सस्पेंड क्यों ?

» रश्मि नर्सिंग होम के संचालक तक कब पहुंचेगी जांच की आंच ?

» रश्मि नर्सिंग होम के संचालक पर जच्चा-बच्चा मौत मामले में क्यों नहीं हुआ अपराध दर्ज ?

» स्वास्थ्य मंत्री के संभाग वाले जिले में बाप अपनी बेटी व बच्चे की मौत के न्याय के लिए भटक रहा...

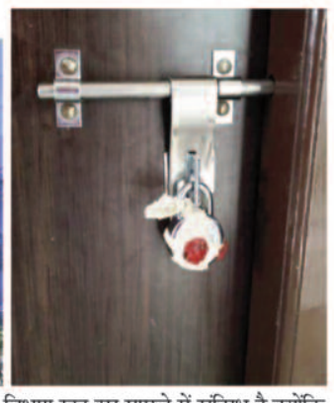

- रवि सिंह -
कोरिया/सूरजपुर 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिला चिकित्सालय सूरजपुर से महज 3 किलोमीटर दूर पर स्थित रश्मि नर्सिंग होम में जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ रश्मि के उपचार के दौरान जच्चा-बच्चा मौत मामले में दोषी डॉक्टर पर तो अपराध पंजीबद्ध हो गया पर अभी तक विभाग द्वारा डॉक्टरों को निलंबित नहीं किया है, अब ऐसे में सवाल यह उठता है क्या ऐसे डॉक्टरों को विभाग संरक्षण दे रहा है या तो चाहते है कि ऐसे ही मामले आगे भी आते रहे,वैसे भी जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर जिला चिकित्सालय में सेवा बेहतर देने से ज्यादा अपनी जरूरी सेवा बाहर देना उचित समझते हैं, क्योंकि बाहर सेवा देने से उन्हें ज्यादा पैसे मिलते हैं और लाभ भी खूब होता है यही वजह है कि जिला चिकित्सालय के लगभग डॉक्टर बाहर इलाज करना ज्यादा उचित समझते हैं, सभी के अपने क्लीनिक नियम विरूद्ध तरीके से चल रहे हैं तनख्वाह सरकार से लेनी है पर इलाज निजी करना है। ऐसे में सरकार को भी डॉक्टरों को सबक सिखाने के लिए ऐसे डॉक्टर पर कार्यवाही करके मिसाल कायम करनी चाहिए, ताकि बाकी डॉक्टर भी इससे सीख ले सकें और सरकार से तनख्वाह लेकर इमानदारी से लोगों का इलाज कर सकें।

नर्सों पर कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपा रही गठित जांच दल

जिन स्टाफ नर्सों पर हुई कार्यवाही उनका जच्चा-बच्चा मौत मामले से नहीं था कोई वास्ता इन्होंने अपने अधीनस्थ डॉक्टर के बातो पर ही किया था काम, पर गठित जांच टीम स्टाफ नर्स पर कार्यवाही कर थपथपा रही अपनी पीठ, वही कार्यवाही पर भी उठ रहे कई बड़े सवाल स्टाफ नर्स इस कार्यवाही के विरुद्ध जा सकते हैं न्यायालय और जांच टीम की बढ़ सकती है मुसीबत, वैसे भी जांच टीम का लीडर ऐसे डॉक्टर को बनाया गया था जो खुद इस मामले में संदिग्ध थे। गठित जांच टीम डॉक्टर को

बचाने के चक्कर में स्टाफ नर्स पर कार्यवाही का ठीकरा फोड़ दिया है, और ऐसा करके खुद जांच टीम फंस चुकी है।

आखिर डॉक्टर को निलंबित करने से क्यों घबरा रहा है विभाग

गठित जांच दल व स्वास्थ विभाग कितना इतना ही निष्पक्ष है तो फिर अभी तक डॉक्टर रश्मि को निलंबित क्यों नहीं कर पाए? यह एक बड़ा सवाल है जबकि पूरे मामले में शुरू से लेकर अंत तक डॉ रश्मि का नाम जच्चा-बच्चा मौत मामले में सबसे ऊपर आ रहा है जब की रश्मि जिला चिकित्सालय की डॉक्टर भी हैं इसके बावजूद निजी नर्सिंग होम में प्रैक्टिस करते हुए उन्हीं के इलाज के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई, जिसकी शिकायत परिजनों ने काफी ऊपर तक की है और इस मामले में जहां तत्काल निलंबित करना था क्योंकि इन्होंने नियम विरुद्ध तरीके से निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए गई थी और गर्भवती महिला को उनके परिजनों को जबरदस्ती उस नर्सिंग होम में बुलाया था सिर्फ पैसे अधिक एठने के लिए और इस दौरान यह घटना घट गई। सूत्रों का यह भी कहना है कि डॉ रश्मि की संपत्ति भी बहुत तेजी से बढ़ रही है जमीन पर जमीन खरीदी हो रही है आय से ज्यादा संपत्ति का मामला भी इन के ऊपर दर्ज किया जा सकता है। यदि इनकी संपत्ति की जांच सही तरीके से कर लिया जाए तो आय से ज्यादा संपत्ति का मामला दर्ज हो सकता है।

निर्दोष नर्सों पर हुई कार्यवाही...नर्सों में आक्रोश

जच्चा-बच्चा मौत मामले में जिन स्टाफ नर्स ऊपर कार्यवाही किया गया है उस मामले को यदि गंभीरता से देखा जाए तो यह समझ में आता है कि उस मामले में स्टाफ नर्सों की भूमिका उतनी अहम नहीं थी जितनी की डॉक्टर की, डॉक्टर के इसारे पर ही स्टाफ नर्स काम किया करते थे, क्योंकि वह उस डॉक्टर के अधीनस्थ स्टाफ नर्स थे, वह अभी हाल फिलहाल में ही दूसरे जिले से आए थे उन्हें पूरी कहानी पता नहीं थी पर डॉक्टर के षड्यंत्र का शिकार हो गए और जांच टीम ने भी डॉक्टर को बचाने के लिए यह कार्यवाही सिर्फ औपचारिकता के तहत कर दी।

गठित जांच टीम डॉक्टर को बैठाकर कर रही जांच, कहीं जांच को प्रभावित करने की तैयारी तो नहीं ?

सूत्रों की माने तो जांच टीम बिल्कुल भी निष्पक्ष काम नहीं कर रही जांच प्रभावित होने की संभावना 201 प्रतिशत नजर आ रही है,क्योंकि जिस डॉक्टर पर गंभीर आरोप है उसे निलंबित करके अस्पताल परिसर से दूर कर इस मामले में निष्पक्ष जांच करने के बजाए जांच दल प्रतिदिन डॉक्टर को अपने समक्ष बैठाकर हंसी मजाक कर नाश्ता चाय कराते हुए जांच कर रही है, इससे समझा जा सकता है की जांच कितना गंभीरता के साथ जांच टीम कर रही है, अब यह टीम जांच कर रही है या फिर डॉक्टर की खातिरदारी कर रही है यह एक बड़ा सवाल है।

बैक डेट पर कागज तैयार करने में गठित जांच टीम कर रहा सहयोग

इस मामले में विशेष सूत्रों का यह भी कहना है कि जांच टीम बैक डेट पर कागज भी तैयार डॉक्टर को कार्यवाही से बचना चाह रही है ताकि डॉक्टर को बचाया जा सके, अब इस गठित जांच टीम से न्याय का भरोसा बिल्कुल नहीं है इसलिए इस जांच टीम को भंग कर दूसरे जिले से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचरियों को गठित कर जांच कराने की मांग की जा रही है।

अवैध तरीके से संचालित नर्सिंग होम के किसी भी स्टॉप पर नहीं हुई कोई कार्यवाही

रश्मि नर्सिंग होम में जच्चा-बच्चा मौत मामले में अभी तक उस नर्सिंग होम के किसी भी स्टाफ पर कार्यवाही नहीं हुई है जो भी कार्यवाही हुई है वह जिला चिकित्सालय के स्टाफ नर्स पर ही हुई है वह भी कार्यवाही को औपचारिक ही माना जा रहा है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिस नर्सिंग होम को सील किया गया, आखिर उस नर्सिंग होम के स्टाफ व डॉक्टरों सहित संचालक पर कार्यवाही कब होगी? क्या जांच टीम को नहीं पता है किसको संचालक कौन है? उस नर्सिंग होम का मालिक कौन है या फिर जांच टीम जांच करने का ढोंग कर रही है, तमाम तरह के सवाल इस समय लोगों की जान पर है जिसका जवाब का स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग खुद इस मामले में संदिग्ध है क्योंकि उसकी भूमिका भी कहीं ना कहीं अहम है।

रश्मि नर्सिंग होम के संचालक को ढूंढ रहे लोग

रश्मि नर्सिंग होम को खुले कई साल हो चुके हैं पर रश्मि नर्सिंग होम का सही मालिक कौन है आज तक इसे सूरजपुर शहर या सरगुजा संभाग के लोगों ने उसे नहीं देखा है अब ऐसे में इसके संचालक का नाम रतन लाल गुप्ता बताया जा रहा है पर रतन लाल गुप्ता कौन है कहां के हैं यह जानने की उत्सुकता सभी को है और आखिर है तो कहां है और इन पर कार्यवाही कब होगी? क्योंकि इन्हीं के नर्सिंग होम में जच्चा बच्चा की मौत हुई है जिस का आरोप उनके परिजनों द्वारा सरकारी अस्पताल के इलाज करने वाले डॉक्टर का लगाया है। अभी तक सभी लोग यही जान रहे थे की रश्मि नर्सिंग होम जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टर रश्मि का है क्योंकि उन्हीं के नाम से है और पूरे शहर में प्रचार-प्रसार भी उन्हीं के नाम से हुआ है, हर जगह उनके व उनके पति का नाम कांटेक्ट में देखा जा सकता है अब इसके बाद अचानक यह बात सामने आ रही है कि यह नर्सिंग होम का संचालक रतन लाल गुप्ता है, अब यह बहुत बड़ा जांच का विषय है कि आखिर यह नर्सिंग होम किसका है? ये रतनलाल गुप्ता का है तो इस पर कार्यवाही कब होगी? और यदि जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ रश्मि का है तो आखिर अवैध तरीके से इस नर्सिंग होम को कैसे संचालित कर रही थी?

डॉ.विनय जायसवाल के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब...501

नारियलों की माला... जेसीबी से...पहुंचे गिरीश देवांगन

- संवाददाता -
एमसीबी/ खड़गवां 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

छग के मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल के 49 वें जन्मदिन के अवसर पर खड़गवां के बरदर स्टेडियम में आयोजित उमड़े जन सैलाब ने एक इतिहास बना दिया। चिरमिरी, खड़गवां, मनेन्द्रगढ़ के अलावा बैकुंठपुर के दिग्गज नेताओं के अलावा लगभग 10 हजार से अधिक डॉ. विनय जायसवाल के शुभचिंतक उन्हें बधाई देने के लिए उपस्थित रहे।

इसके साथ ही छग खनिज विकास निगम के चेयरमैन व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गिरीश देवांगन रायपुर से विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. विनय जायसवाल ने उपस्थित जन सैलाब को संबोधित करते हुए की मेरे मनेंद्रगढ़ विधानसभा की जनता ने मुख्यमंत्री भूपेश

बघेल और डॉ. विनय जायसवाल पर जो भरोसा जताया है वह उस पर पूरी तरह खरा उतरे हैं । डॉ. विनय ने कहा कि एक कमिया की तरह उन्होंने जनता की सेवा की है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार निरन्तर विकास के नए कीर्तिमान गढ़ती रहेगी। छग खनिज विकास निगम के चेयरमैन व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गिरीश देवांगन ने कहा कि उपस्थित भीड़ इस बात का सबूत है कि डॉ. विनय जायसवाल जनता के बीच जाते है.. लोगो का काम करते हैं... इसी सेवा भावना के चलते वह इतने लोकप्रिय हैं जिसका साक्षी यह जन सैलाब है। युवक कांग्रेस के राहुल भाई पटेल ने 501 नारियलों की माला के साथ विधायक डॉ. विनय जायसवाल का स्वागत कर बधाई दी। नारियलों की माला के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी ।

सहायक आयुक्त पर लगा गंभीर आरोप

किया गया निलंबन,इंजीनियर भी हटाये गए

- रवि सिंह-
कोरिया 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय के सहायक आयुक्त कार्यालय में मिल रहे शिकायत,मीटिंग में न पहुँचना सहित योजनाओं की सही जानकारी नही देने के मामले को गंभीरता तो देखते हुए आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास ब्लॉक-डी, इन्द्रावती भवन नया रायपुर अटल नगर रायपुर द्वारा डी.डी. तिग्गा, सहायक संचालक, प्रभारी सहायक आयुक्त,आदिवासी विकास जिला कोरिया एवं प्रभारी परियोजना प्रशासक एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना बैकुंठपुर (छग) द्वारा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में निरंतर लापरवाही किया जाना, विभागीय समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहने, योजनाओं के प्रगति की सही जानकारी का अभाव तथा जिले में योजनाओं की प्रगति संतोषप्रद नहीं होना एवं कार्य की प्रति उदासीनता के फलस्वरूप छ0ग0सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया ।निलंबन अवधि में डी.डी. तिग्गा सहायक

संचालक, का मुख्यालय कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास नवा रायपुर अटल नगर (छ0ग0) निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। शिकायत के आधार पर जांच करने के लिए निर्देश जारी किया है।

पिछले लंबे समय से अजाक विभाग काफी चरचा में है। पहले तो पूरे जिले में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर सुर्खियों में आया । वही कार्य को बिना इंजीनियर के सत्यापन को लेकर भी भुगतान की सुगबुगाहट है वही टेंडर में भी गड़बड़ी की चर्चाएं है जहा टेंडर तारिक निकल जाने के बाद भी कार्य का मिलना व फार्म जमा होने को लेकर विभाग में चल रहे गोलमाल को लेकर सवाल उठना लाजमी हैं। वही पद से हटाने के बाद एक के बाद एक कारनामें खुलकर सामने आ रहे हैं। जिस कारण विभाग में चल रहे विवाद को देखते हुए पदस्थ इंजीनियर अमित चौधरी, उप अभियंता प्रधानमंत्री सड़क योजना, बैकुण्ठपुर को उनके विभागीय कार्यों के अतिरिक्त आदिवासी विकास कोरिया के विकास खण्ड सोनहत मनेन्द्रगढ़ एवं भरतपुर में चल रहे समस्त विभागीय कार्यों का दायित्व सौंपा गया था। जहा जाच होने तक अमित चौधरी, उप अभियंता, प्र.मं.ग्रा.सड़क योजना बैकुण्ठपुर को उनके मूल पदस्थापना कार्यालय कार्यपालन अभियंता, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जिला कोरिया हेतु कलेक्टर कोरिया के अनुमोदन से वापस किया गया।

क्या एमसीबी जिले के 2 प्रधान आरक्षकों व तीन आरक्षकों की जनकपुर अनुभाग में कभी होगी तैनाती ?

» एमसीबी जिले के 2 प्रधान आरक्षक व तीन आरक्षक अपनी पसंद के थानों में कराते हैं तैनाती

» एमसीबी जिले के पांच पुलिसकर्मी सरकार किसी की भी रहे पर इनकी सेटिंग थाना पाने की जबरदस्त रहती है...

» अपने विभाग में पकड़ इतनी है कि तैनाती कहीं और काम कहीं और करते हैं यह पांचों

- रवि सिंह -
एमसीबी,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

अविभाजित कोरिया जिले के समय से लेकर नवीन जिला एमसीबी में पांच पुलिसकर्मियों की ऐसी पकड़ है कि वह जहां व जिस थाने में तैनाती चाहेंगे वहां उन्हें तैनाती मिलेगी यही वजह है कि यह 5 पुलिसकर्मी आज तक पूरी नौकरी जितना अभी तक इन्होंने की है बिना जनकपुर अनुभाग में तैनाती पाए सिर्फ मनेंद्रगढ़ व चिरमिरी के थानों में ही काटी है इन पुलिसकर्मियों की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम है क्योंकि इन 5 पुलिसकर्मीयों ने अपनी तैनाती कहीं भी कराने में महारत हासिल कर रखी है सरकार किसी की हो अधिकारी कोई भी हो तैनाती तो इनकी मर्जी की होती है अब इन पुलिसकर्मियों पर किस नेता व किस अधिकारी का संरक्षण है कि यह अपने मनपसंद थानों में तैनाती पाने में सफल हो जाते हैं यह अंदर खाने की बात है जो कभी भी बाहर आ सकती है यदि इस पर गौर किया जाए तो, पुलिस विभाग का यह भी एक आदेश था की गृह क्षेत्र वाले थानों में पुलिस कर्मियों को तैनाती नहीं मिलेगी पर गृह क्षेत्र वाले थाने में भी पुलिसकर्मी सालों से तैनाती पा रहे हैं और मौज काट रहे हैं आखिर संरक्षण जो मिला हुआ है। अधिकारी भी जो आते हैं वह अपने ही कर्मचारियों की कुंडली नहीं खोलते हैं इसी वजह वह उन कर्मचारियों की बुराइयों से दूर रहते हैं और उनके प्रभाव में सब कुछ भूल जाते हैं।

तैनाती कहीं और काम कहीं

हम बात कर रहे हैं एमसीबी जिले के तेज तराज आरक्षक चंद्रसेन ठाकुर उर्फ गोलू यह की वर्तमान में थाना पोड़ी में इनकी तैनाती है पर यह कार्य कर रहे हैं सी एस पी कार्यालय चिरमिरी में इनका प्रभाव कितना बड़ा है यह आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं। अब इसे सेटिंग कहें या फिर इनका प्रभाव कहे? जो भी इनके बारे में जानकारी देता

है वह यही कहता है कि यह गजब के आरक्षक हैं किसी को भी अपनी तरफ मोहित कर सकते हैं, यही वजह है कि अपने पसंदीदा जगहों पर ही तैनात रहते हैं।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी के अलावा और कोई थाना नहीं चाहिए ?

दूसरे नंबर पर आते हैं काफी होनहार प्रधान आरक्षक जितेंद्र मिश्रा इनका प्रभाव भी कोई कम नहीं है इनकी सिर्फ यही इच्छा है कि वह तैनात रहेंगे या तो मनेंद्रगढ़ थाना में या चिरमिरी थाना में इसके अलावा दूरदराज के थाने देना मत मैं वहां जाऊंगा नहीं यह इनका अपना सिद्धांत है सितंबर 2022 में इन्हें केल्हारी भेजा गया था पर जुगाड़ लगाकर एसडीओपी कार्यालय मनेंद्रगढ़ में अटैच हो गए अब वहां से जुगाड़ लगाकर चिरमिरी थाने आ गए अब आप समझ सकते हैं कि कितने प्रभाव व जुगाड़ वाले प्रधान आरक्षक हैं यह।

18 साल में जनकपुर अनुभाग का मजा नहीं चखा

प्रधान आरक्षक संदीप बागी का हुनर है जो भी थाना प्रभारी आता है इनका खास हो जाता है इनके बिना वह एक कदम नहीं चलता यहां तक की इन्हें हटाने की बात आती है तो वह खुद थाना से हटने को तैयार हो जाता है पर इन्हें नहीं हटने देना चाहता अब समझ सकते हैं कि थाना प्रभारी और प्रधान आरक्षक के बीच कितनी अच्छी जुगलबंदी है 18 साल नौकरी कर चुके हैं पर यह 18 साल मनेंद्रगढ़ चिरमिरी थाना के लिए गौरवान्वित करने वाला रहा है क्योंकि यह इन्हीं जगहों पर ही काम किए हैं इस 18 साल में जनकपुर अनुभाग का इन्होंने एक भी बार मजा नहीं चखा इसका मतलब है कि इनकी इतनी तगड़ी सेटिंग है कि इन्हें कोई भी अधिकारी इस अनुभाग में स्थानांतरण नहीं कर पाया और लगता है आगे भी कोई अधिकारी इन्हें जनकपुर अनुभाग में नहीं भेज पाएगा जबकि यह इन्हीं के जिले का अनुभाग है।

8 साल खंडगांव के नाम

आरक्षक सुरेश तिगा काफी अनुभवी हैं 8 साल से एक ही थाने में पड़े हुए हैं और कितने साल पड़े रहेंगे इसका पता नहीं, फिलहाल तो खंडगांव थाने में पदस्थ है और तकरीबन 8 साल इस थाने में पूरे हो चुके हैं और कितने साले थाने में रहेंगे इसका पता नहीं इस 8 साल में कई बार तबादला सूची जारी हुआ होगा पर इस सूची में नाम आया और गया पर थाना नहीं बदला।

गृह ग्राम का मोह नहीं छूट रहा

आरक्षक अमित जैन जिनका शिकायतों से पुराना नाता है पर गृह ग्राम थाने से इनका कुछ अलग ही मोह है इसी थाना में ही रहकर काम करना चाहते हैं इस थाना के बाहर जाना इनके लिए नागवार गुजरता है पूर्व के साहब द्वारा एक आदेश भी निकाला गया था जिसमें कहा गया था की गृह थाना क्षेत्र में किसी भी कर्मचारी की तैनाती नहीं होगी पर यह महोदय इतने जुगाड़ू व प्रभाव वाले आरक्षक है कि यह गृह ग्राम थाना में ही आकर पदस्थ हो जाते हैं इनका गृह ग्राम थाने में आना जाना लगा रहता है लगभग यह अपने गृह थाना क्षेत्र में ही काम करते हैं।

वार्ड क्रमांक 42, के बूथ क्रमांक 72 में प्रधानमंत्री के मन की बात का 100 वा एपिसोड को सुना गया

- संवाददाता -
कोरबा, 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले के सभी भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अलग अलग क्षेत्रों में बूथ एवं ब्लॉक स्तर पर एक जुट होकर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 100वा धारावाहिक के प्रसारण को सूना ढ्ढ इस दौरान वार्ड क्रमांक 42, के बूथ क्रमांक 72 में सामुदायिक भवन शिवनगर रूमगरा में सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने साथ ही क्षेत्र वासियों ने साथ मिलकर सूना ढ्ढ सुबह 11 बजे पीएम मोदी ने मन की बात के 100वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन आंदोलन बन गया है। 'मन की बात' कोटि-कोटि भारतीयों के मन की बात है। उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है। 3 अक्टूबर 2014 के दिन हमने 'मन की बात' की यात्रा शुरू की। मन की बात में देश के कोने-कोने से लोग जुड़े। हर आयु-वर्ग के लोग जुड़े।पीएम मोदी ने कहा- आज 'मन की बात' का 100वां एपिसोड है। मुझे आप सबकी हजारों चिट्ठियां मिली हैं, लाखों संदेश मिले हैं और मैंने कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा चिट्ठियों को पढ़ पाऊं, देख पाऊं, संदेशों को जरा समझने की कोशिश करूं। आपके पत्र पढ़ते हुए कई बार मैं भावुक हुआ, भावनाओं से भर गया, भावनाओं में बह गया और खुद को फिर संभाल भी लिया। आपने मुझे 'मन की बात' के 100वें एपिसोड पर बधाई दी है, लेकिन मैं सच्चे दिल से कहता हूं बधाई के पात्र तो आप सब 'मन की बात' के श्रोता हमारे देशवासी हैं।

कोरबा पुलिस ने अवैध कबाड़ के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही

» लगभग 153 टन कीमती लगभग 61 लाख रुपये लोहे के स्क्रैप जब्त

- राजा मुखर्जी -
कोरबा, 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस ने दो अवैध कबाड़ मामले में की बड़ी कार्यवाही की जिसमे पहला मामला सीएसईबी चौकी रामपुर सिविल लाइन क्षेत्र का है मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पुलिस चौकी सीएसईबी को जरिये मुखबिर सूचना मिला कि नूर आलम पिता मोहम्मद मुर्तजा 30 वर्ष,निवास टीपी नगर कोरबा चौकी सीएसईबी नामक व्यक्ति अपने यार्ड में भारी मात्रा में अवैध रूप से चोरी का स्क्रैप रखा है सूचना पर पुलिस अधीक्षक उदय किरण को अवगत कराकर आवश्यक निर्देश प्राप्त किया गया । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकुमार धारी के नेतृत्व में हमराह बल मदन जैन गली में स्थित नूर आलम के यार्ड में रेड कार्यवाही कि नूर आलम को मौके पर तलब कर सूचना से अवगत कराया के अपने यार्ड में अवैध रूप से स्क्रैप होने के संबंध में नूर आलम आनाकानी करने लगा । जिसके यार्ड को चेक करने पर यार्ड के अंदर भारी मात्रा में लोहे का स्क्रैप छोटे बड़े वाहनों के टुकड़े,लोहे का पाइप,लोहे का सरिया,लोहे का प्लेट,वाहनों के चेचिस,ऑक्सीजन सिलेंडर,गैस सिलेंडर एवं अन्य लोहे के समान मिले द्व जिस के संबंध में नूर आलम से कागजात चाहा गया पर कोई कागजात पेश नहीं किया जो अवैध संपत्ति पाए जाने पर मौके पर करीब 150 टन लोहे का स्क्रैप कीमत लगभग ?60,00000 को गवाहों के समक्ष जप्त कर मौके पर यार्ड को सीलबंद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अंतर्गत धारा 4(1-4)जा फौ /379 भादवि के तहत अपराध घटित करना पाए जाने पर आरोपी नूर आलम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

वहीं एक दूसरे मामले में कोतवाली पुलिस को जरिये मुखबीर सूचना मिला किराजेश कुमार उपाध्याय पिता मनहरण लाल उपाध्याय उम्र 55 वर्ष साकिन- राताखार अटल आवास कोरबा, थाना कोतवाली कोरबा नामक व्यक्ति राताखार स्थित कबाड़ी दुकान में चोरी का ट्रेलर वाहन का लोहे का चेचिस का टुकड़ा एवं अन्य चोरी का अवैध कबाड़ समान रखा है कि सूचना पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा राताखार कबाड़ी दुकान में जाकर तलाशी लेने पर राजेश कुमार उपाध्याय के कब्जे में रखे ट्रेलर वाहन का लोहे का चेचिस का टुकड़ा तथा पुराना लोहे का पाईप के टुकड़े एवं पुराना लोहे के सरिया का टुकड़ा कुल वजनी लगभग 03 टन किमती लगभग एक लाख रूपये का मिला जिस संबंध में धारा- 91 जा.फौ. का नोटिस देकर कागजात चाहा गया जो राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा उक्त सामान का कोई कागजात नहीं होना बताया तथा नोटिस में लिखकर दिया। जो राजेश कुमार उपाध्याय के कब्जे में मिले सामान को चोरी का मशरूका होने की पूर्ण संभावना पर धारा 41 (14) जा.फौ. / 379 भा.द.वि. के तहत कार्यवाही किया गया। आरोपी राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा अपना अपराध स्वीकार करने तथा उसके विरूद्ध पर्याप्त अपराध सबूत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

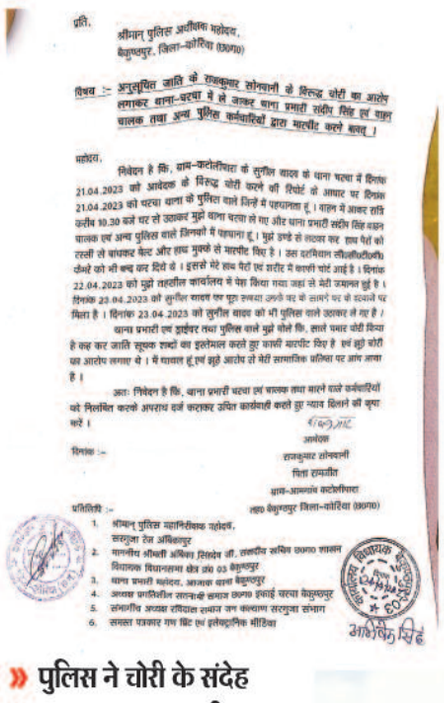

गजब एसपी साहब! दस्तावेज में कमी मिलने पर प्रधान आरक्षक सस्पेंड होगा..पर

वह कर्मचारी कब सस्पेंड होगा जिसकी वजह से पुलिस की फजीहत हो रही?

» पुलिस ने चोरी के संदेह उल्टा लटका कर की दलित युवक की पिटाई,पीड़ित ने आईजी से लगाई गुहार तब पुलिसकर्मी हुए लाइन हाजिर

» चोरी के संदेह पर पुलिस ने कर दी दूसरे युवक की पिटाई,चोरी का सामान दूसरे युवक के यहां से हुआ बरामद

» पीड़ित निर्दोष युवक ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार पर नहीं हुई सुनवाई तो पंहुचा आईजी सरगुजा के दरवार

» कोरिया जिले की पुलिस की कार्यप्रणाली सुधरने का नाम नहीं ले रही,क्या कोई आएगा जो लगाएगा अंकुश दोषपूर्ण कार्यप्रणाली पर?

- रवि सिंह -
कोरिया,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

गजब है कोरिया के एसपी साहब निरीक्षण में जाते हैं दस्तावेज में कमी पाने पर प्रधान आरक्षक को सस्पेंड कर देते हैं पर वही उन कर्मचारियों को क्यों सस्पेंड नहीं करते जिसके द्वारा चोरी के संदेह पर बेदर्दी से पिटाई की गई वह भी लटका कर। कोरिया जिले की पुलिस की कार्यप्रणाली जो लगातार सुर्खियों में बनी हुई है और जो सुधरने का नाम नहीं ले रही है और एक नया मामला फिर सामने आया है जिसमे एक दलित युवक की पिटाई का मामला समाने आया है जिसमे युवक की बेरहमी से पिटाई केवल इसलिए की गई क्योंकि पुलिस को युवक के ऊपर चोरी करने का संदेह था। पुलिस ने चोरी के एक मामले में दलित युवक को संदेह के आधार पर पुलिस थाने ले जाकर बेरहमी से पिटाई कर दी और बाद में पता चला की चोरी किसी और ने की थी और बाद में चोरी का सामान भी दूसरे युवक के यहां से बरामद हुआ है और अब पुलिस को जवाब देते नहीं बन रहा है। मामला चरचा पुलिस थाने का है जहां चोरी के एक मामले में संदेह के आधार पर एक दलित युवक को पुलिस ने घर से आकर अपने साथ गाड़ी में बैठाकर पुलिस थाने ले जाने की बात सामने आ रही है और पुलिस थाने में उसके साथ बेरहमी से पिटाई की गई जिसकी युवक ने शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है और न्याय की गुहार लगाई है।

दलित युवक का आरोप

सुनील यादव ग्राम घटोली पारा आमगांव ने चरचा पुलिस थाने में रिपोर्ट लिखवाई की उसके घर पर चोरी हुई है और 190000 की कुल हुई चोरी का संदेह उसे राजकुमार सोनवानी के उपर है,सुनील यादव की शिकायत को आधार बनाकर चरचा पुलिस थाने से उप निरीक्षक कुशवाहा सहित 5 से 6 पुलिसकर्मी सरकारी गाड़ी में राजकुमार सोनवानी के घर आए और उसे गाड़ी में बिठाकर पुलिस थाने ले आए। थाने लाकर जैसे ही युवक को गाड़ी से उतारा गया वैसे ही सामने उपस्थित प्रभारी चरचा पुलिस थाना ने सबसे पहले सीसीटीवी बंद करवाया और युवक के दोनो पैर और हांथ को रस्सी से बांधकर डंडे से लटकाकर प्रभारी एवम 5 से 6 पुलिसकर्मी जिन्हे युवक पहचानता है के द्वारा लात घूंसे से मारपीट किया गया एवम थाना प्रभारी द्वारा युवक के साथ बेल्ट से भी मारपीट किया गया,युवक ने मामले में यह सभी आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कोरिया को शिकायत पत्र लिखकर दोषी पुलिसकर्मियों कर कार्यवाही की मांग की है और उसने यह भी कहा है शिकायत में की थाना प्रभारी द्वारा उसके पंजे पर भी बेल्ट से मारा गया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया और रात भर थाने में ही डरकर पड़ा रहा, युवक ने यह भी आरोप लगाया है की पुलिस के डर से उसके घरवाले भी थाने नहीं आए,दूसरे दिन सुनील यादव के घर के सामने दरवाजे पर 190000 रुपए पड़ा मिला और जिसकी बरामदगी का वीडियो भी बनाया गया और फिर सुनील यादव की तलाश की गई और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया साथ ही पीड़ित युवक को जिसको की संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया था उसके ऊपर 151 दंड प्रक्रिया की कार्यवाही की गई और तहसीलदार बैकुंठपुर के यहां पेश किया गया जहां से उसे जमानत मिल गई। राजकुमार सोनवानी ने जमानत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के समक्ष उपस्थित होकर अपने साथ बीते घटना की शिकायत की गई और न्याय की गुहार लगाई गई की किस तरह उसे बेवजह घर से उठाकर पुलिस थाने लाया गया और उसके साथ बिना किसी अपराध बर्बरता की गई।

बिना जांच दलित युवक की रातभर पिटाई करने से पहले पुलिस ने मामले की जांच क्यों नहीं की?

मामले में जो सबसे बड़ा सवाल है वह यह है की एक दलित युवक को चरचा पुलिस ने संदेह के आधार पर घर से उठाया और रातभर उसके साथ मारपीट की वहीं मामले में आरोपी कोई और दूसरा था और जो बाद में गिरफ्तार भी कर लिया गया,अब यहां सवाल यह उठता है की क्या पुलिस को मामले में पहले जांच नहीं करनी थी क्या पुलिस को मामले के तह तक नहीं जाना था,क्या केवल संदेह के आधार पर ही पुलिस को किसी के साथ मारपीट करने का अधिकार है। पुलिस की यह कार्यवाही यह साबित कर गई की पुलिस निरंकुश हो चुकी है कोरिया जिले की और किसी को भी घर से उठा ले जाने की उसे छूट मिल चुकी है।

कोरिया जिले की पुलिस अपनी कार्यप्रणाली को लेकर लगातार रहती है सुर्खियों में

कोरिया जिले की पुलिस लगातार अपनी कार्यप्रणाली को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। ताजा मामला उदाहरण है की पुलिस किस तरह निरंकुश हो चुकी है। किसी मामले में पुलिस असली आरोपी तक पहुंचने की बजाए निर्दोष से ही मारपीट कर आरोप कुबूल करने किस तरह दबाव बनाती है यह इस मामले से उजागर हुआ। कोरिया पुलिस का यह कोई पहला मामला नहीं है जो दोषपूर्ण कार्यवाही का समाने आया है इसके पहले भी कई मामले ऐसे हैं जिसमे कोरिया पुलिस पर आरोप लग चुके हैं और उसके बावजूद पुलिस सुधरने का नाम नहीं ले रही है।

मामले में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा ने लिया संज्ञान,पुलिसकर्मी हुए लाइन अटैच

मामले में पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर पीड़ित दलित युवक ने न्याय की गुहार लगाई,दलित युवक की गुहार पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा तक पहुंची उसके बाद दोषी पुलिसकर्मियों पर लाइन अटैच की कार्यवाही हो सकी। बताया जा रहा है की मामले में पुलिस अधीक्षक के संज्ञान लेने के पूर्व ही पुलिस महानिरीक्षक ने संज्ञान लिया और यह कार्यवाही की। पुलिस अधीक्षक जब तक मामले को समझ सकते उसके पहले ही पुलिस महानिरीक्षक की कार्यवाही यह साबित कर गई की वह कितने गंभीर है मामले को लेकर।

कोरिया जिले में गोपनीय आदेश क्यों निकाला जा रहा है

पहले कोरिया जिले में कप्तानों के आदेश चाहे ट्रांसफर के हो या फिर कार्यवाही के सर्वजनिक हुआ करते थे पर इस समय एक नया ही कल्चर बन गया सभी आदेश गोपनीय होने लगे अब इसकी वजह चाहे जो भी हो पर यह इस समय नय कल्चर में तब्दील हो गया है अब आने वाले पुलिस अधीक्षक भी ऐसे ही कल्चर को बनाएंगे या फिर पारदर्शिता दिखेगी।

पुलिसकर्मियों पर होने वाली कार्यवाही छुपाने की वजह क्या है

सवाल इस समय यह भी है कि जब पुलिस कप्तान जब कार्यवाही करते हैं तो फिर आदेश छुपाने की वजह क्या है? यदि किसी ने गलती की है और कार्यवाही हुई है तो सार्वजनिक भी होनी चाहिए जिस प्रकार पुलिस जब कोई बड़ी कार्यवाही करती है तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करती है और बताती है अपनी उपलब्धि पर जब उनके कर्मचारियों से गलती होती है और कार्यवाही होती है तो फिर छुपाया क्यों जाता है यह बड़ा सवाल है।

क्या पुलिस कप्तान विवादित पुलिसकर्मियों को देर है संरक्षण?

कोरिया जिले में अभी-अभी कुछ विवादित पुलिसकर्मी है जो अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और यह विवादित पुलिसकर्मी कौन है यह किसी से छुपा नहीं है पर लगातार अधिकारियों के संरक्षण की वजह से इनका मनोबल बढ़ा हुआ है ऐसे कर्मचारियों के लिए कब ऐसे पुलिस कप्तान आएंगे जब इनका मनोबल तोडेंगे और इन्हें कर्मचारी होने का पाठ पढ़ाएंगे?

बीजेपी मोर्चा मंडल मनेन्द्रगढ़ द्वारा प्रधानमंत्री के मन की बात के 100 वें एपिसोड का किया गया श्रवण

- संवाददाता -
एमसीबी 30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल मनेन्द्रगढ़ द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात का 100 वा एपिसोड कार्यक्रम बूथ क्र 10 मंगल भवन मे रखा गया और उपस्थित सभी लोगो ने प्रधानमंत्री जी की मन की बात का श्रवण किया गया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा नेता अधिवक्ता आशीष सिंह,वार्ड पार्षद जाफरून निशा,जमील शाह,नरेंद्र सिंह रैना,भाजयुमो जिला विशेष आमंत्रित सदस्य इरशाद अंसारी, जिला भाजयुमो कोषाध्यक्ष जलील शाह, मंडल अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल सूरज चंदेल, अमित चंदेल, प्रखर जायसवाल, राहुल केशरवानी,राहुल शर्मा, किसान बुनकर, आर्यना गुप्ता, वशु यादव, गोविन्द साहू सहित सैकड़ों संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

- संवाददाता -
कोरबा,30 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले में सुबह से रुक रुक कर बारिश होने के बावजूद प्रदेश राजस्व मंत्री कोरबा विधायक जयसिंह अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्र का किया गया भूमि पूजन श्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा के मिशन रोड (पी. एच. रोड) में मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना से स्वीकृत 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कहा के जैसे जैसे सहर बढ़ रहा है जनसंख्या भी शहरी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है , जिससे विद्युत की मांग भी बढ़ रही है जिसके चलते शहरी क्षेत्र में चार अलग अलग जगह विद्युत उपकेंद्र का निर्माण कार्य किया जा रहा है जो लगभग चार महीनों में पूरा होगा जिससे वर्तमान में जो थोड़ी बहुत बिजली की समस्या है उसे जल्द सुनियोजित कर लिया जाएगा उन्होंने इस अवसर पर शहरवासियों को बधाई देने के साथ कल 01 मई मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में सभी मजदूर भाइयों को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विद्युत आपूर्ति सुविधा को मजबूती प्रदान करने वाले इस उपकेंद्र का निर्माण 01 करोड़ 83 लाख रुपए से अधिक की लागत से किया जा रहा है जिसके स्थापना होने से विद्युत सुविधा इस क्षेत्र की और बेहतर होगी। इस अवसर पर कोरबा के महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद एवं सभापति श्यामसुंदर सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़)

-//निविदा सूचना//-

क्रमांक/47/निर्वाचन/2023-2024 दिनांक 25/04/2023

विषयः-सरगुजा जिले के सभी विधानसभाओं के मतदाता सूची का मुद्रण का निविदा सूचना।

सरगुजा जिले के अंतर्गत आनेवाले सभी 03 विधानसभा क्षेत्र के समस्त मतदान केन्द्रों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के मुद्रण,कार्य भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार करने हेतु इच्छुक संस्था एवं योग्य फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रारूप एवं निविदा की विस्तृत शर्तें कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के (निर्वाचन शाखा) से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक 25/05/2023 दोपहर 1.00 बजे तक किया जावेगा। रविवार या किसी सार्वजनिक अवकाश के दिन निविदा प्रपत्र विक्रय नहीं किया जावेगा। इच्छुक निविदाकार रूपए 100/-(एक सौ मात्र) नगद जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। पूर्णतया भरे हुए निविदा प्रपत्र कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सरगुजा के (निर्वाचन शाखा) में दिनांक 25/05/2023 को दोपहर 3.00 बजे तक जमा करना होगा। निविदा दिनांक 25/05/2023 को ही शाम 4.00 बजे निविदाकारों के उपस्थिति में गठित समिति द्वारा निविदा खोली जावेगी।

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला-सरगुजा

जी नंबर-00744/2

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-202304021700125/अ-21/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार सिंह आ0 जगरनाथ सिंह,निवासी ग्राम सरगवां,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा ग्राम सरगवां स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 44/2 रकबा 0.340हे0 में से रकबा 0.121हे0 आवास योग्य मकान निर्माण करने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक नवनीत सोनी आ0 राजेन्द्र प्रसाद सोनी, निवासी ब्रम्ह रोड पंचशील गली अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा को रू0 9,80,000/-(नौ लाख अस्सी हजार रू0) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/05/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 25/04/2023 का मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

आरसीबी को मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

लखनऊ,30अप्रैल2023। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अपने मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। विराट कोहली, फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की मौजूदगी में आरसीबी के शीर्ष क्रम ने अब तक आठ मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन मध्यक्रम टीम का कमजोर पक्ष साबित हुआ है। कोहली, डुप्लेसिस और मैक्सवेल से प्रत्येक मैच में टीम को जिताने की उम्मीद नहीं की जा सकती और समय आ गया है कि महिपाल लोमरोर, शाहबाज अहमद और दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाज भी प्रभावी प्रदर्शन करें। आरसीबी के क्षेत्ररक्षण में भी सुधार की गुंजाइश है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद कोहली भी इस ओर इशारा कर चुके हैं।

डुप्लेसिस के पूर्ण फिटनेस हासिल नहीं करने तक पूर्व भारतीय कप्तान कोहली टीम की अगुआई करते रहेंगे। आरसीबी की टीम डुप्लेसिस का इस्तेमाल 'इंपेक्ट प्लेयर' के रूप में कर रही है। आरसीबी के लिए मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की है और उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों से समर्थन की जरूरत है। हर्षल पटेल को मुश्किल समय के दौरान गेंदबाजी की जिम्मेदारी दी जा रही है लेकिन उन्हें 9.94 के अपने इकोनॉमी रेट में सुधार करना होगा। दूसरी तरफ लखनऊ की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी जीत के बाद इस मुकाबले में उतरेगी। पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी प्रदर्शन दर्शाता है कि जब काइल मायर्स, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाज लय में हों तो कोई भी स्कोर हासिल किया जा सकता है।

कप्तान लोकेश राहुल हालांकि दबाव में हैं और लखनऊ के घरेलू मैदान पर छाप छोड़ना चाहेंगे। लखनऊ की पिच ने हालांकि निराश किया है और यह घरेलू टीम के मजबूत पक्षों के अनुकूल नहीं है। मोहाली में बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों ने ढेरों रन बटोरे लेकिन यहां धीमी पिच पर उन्हें जूझना पड़ रहा है। राहुल और उनकी टीम को हालांकि पिछले घरेलू मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जब टीम अच्छी स्थिति में होने के बावजूद 136 रन के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही थी। स्पिनरों ने लखनऊ की पिच पर गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है और रवि बिश्नोई ने अनुभवी अमित मिश्रा के साथ मिलकर टीम के लिए जिम्मेदारी उठाई है। मार्क वुड की गैरमौजूदगी में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने प्रभावित किया। आवेश खान ने सात मैच में लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार हैं- लखनऊ सुपर जाइंट्स- लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई और मयंक यादव। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर- फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, सिद्धार्थ कौल, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक और डेविड विली। समय- मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

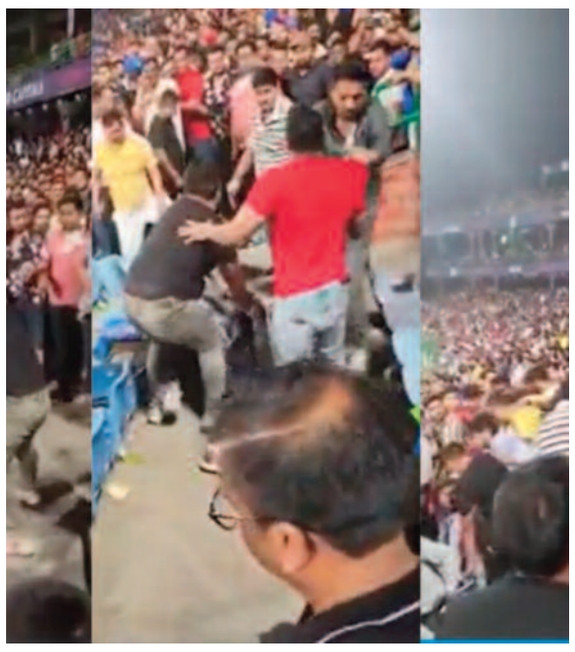

आईपीएल मैच के दौरान दर्शकों में झड़प

नई दिल्ली,30अप्रैल2023। दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच यहां अरुण जेटली स्टेडियम में हुए आईपीएल मुकाबले में कुछ दर्शकों में आपस में झड़प हो गयी।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मैच के दौरान मोहिंदर अमरनाथ स्टैंड में दर्शक दीर्घा में बैठे कुछ दर्शकों के बीच झड़प की घटना हुई। अधिकारी ने बताया कि मैच के दौरान पुलिसकर्मी दर्शक दीर्घा में यूनिफॉर्म और सादे कपड़ों में मौजूद रहते हैं। दीर्घा में मौजूद एक अधिकारी ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उन्हें अलग-अलग किया। अधिकारी ने कहा, सभी दर्शकों को शांत कर दिया गया और किसी भी पक्ष की तरफ से कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई गयी है। उन्हें चेतावनी दी गयी और शांत बैठने को कहा गया।÷ जांच करने पर पता चला कि मैच देखने में बाधा आने के मुद्दे पर कुछ लोगों के बीच तर्क-वितर्क शुरू हुआ था।

पुलिस ने कहा कि किसी भी पक्ष की तरफ से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गयी है और मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया।

अनिल कश्यप ने वेटरंस राष्ट्रीय टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीता

जालंधर ,30अप्रैल2023। असम के अनिल कश्यप ने रविवार को यहां भारतीय रिजर्व बैंक के सुधीर केसरवानी को हराकर 29वीं राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 40 वर्ष से अधिक वर्ग का पुरुष एकल खिताब जीता। कश्यप ने केसरवानी को सीधे गेम में 11-6, 11-4, 11-8 से हराया। पचास वर्ष से अधिक वर्ग के पुरुष एकल फाइनल में महाराष्ट्र के मनीष रावत को बेहद करीबी मुकाबले में मलय कुमार ठक्कर ने 11-8, 9-11, 11-7, 7-11, 13-11 से शिकस्त दी। पुरुषों के 60 वर्ष से अधिक वर्ग के एकल फाइनल में महाराष्ट्र के अनिल रसम ने पंजाब के पंकज शर्मा को 8-11, 11-2, 11-9, 9-11, 11-8 से हराया। महाराष्ट्र के प्रकाश केलकर ने 65 वर्ष से अधिक उम्र का खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में हिमाचल प्रदेश के पीटर डिसूजा को सीधे गेम में हराया। महिलाओं के एकल वर्ग के खिताब पश्चिम बंगाल की चंद्रानी डे गांगुली (40 वर्ष से अधिक) और पंजाब की रिपु दमन (50 वर्ष से अधिक) ने जीते।

'स्ट्रीट' फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए रोनाल्डिन्हो शुरू करेंगे लीग

लॉस एंजिलिस ,30 अप्रैल 2023। ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डिन्हो प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के लिए विश्वव्यापी 'स्ट्रीट सॉकर लीग' शुरू कर रहे हैं। लंबे समय तक बार्सिलोना का प्रतिनिधित्व करने वाले इस खिलाड़ी का खेल भी सड़क और गलियों में शुरू हुआ था और वह चाहते हैं कि इस तरह से खेल से जुड़ने वालों खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का वैश्विक मंच मिले।

आयोजकों ने बताया कि यह वैश्विक स्ट्रीट लीग '2023 के आखिर' में शुरू होगी। शुरुआत में इसमें सोशल मीडिया के जरिये खिलाड़ियों को परखा जायेगा, जहां सभी उम्र के 'स्ट्रीट' फुटबॉल खिलाड़ी प्रतियोगिता की टीमों में से एक में शामिल होने के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ कौशल और खेल के तरीकों का वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

दुनिया भर के प्रमुख शहरों में इसके मैचों और कौशल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में टीमें 'आरजीएसएल (रोनाल्डिन्हो ग्लोब स्ट्रीट टीम) चैंपियंस' के खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। अपने करियर के दौरान दो बार विश्व के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे रोनाल्डिन्हो ने कहा, ''हम मानते हैं कि इस क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं और यह भविष्य के खिलाड़ियों का समर्थन करने का एक शानदार मौका होगा।

बहुत ही गरीबी में बीता रोहित शर्मा का बचपन

टीम इंडिया के हिटमैन बन ऐसे बनाई अपनी पहचान

नई दिल्ली,30अप्रैल2023। रोहित शर्मा भारतीय टीम के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। विश्व में इनकी पहचान सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के तौर पर होती है। वर्तमान में वह इंडिया टीम के कप्तान हैं। सारी दुनिया उन्हें हिटमैन के नाम से जानती है। जब रोहित क्रीज पर उतरते है तो कई उम्मीदें साथ उतरती हैं। आज यानि की 30 अप्रैल को वह अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट किए। रोहित ने आईपीएल में एक-दो बार नहीं बल्कि पांच बार मुंबई इंडियंस को खिताब जितवाया है। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के बंसोड़ में रोहित शर्मा का 30 अप्रैल 1987 को उनका जन्म हुआ था। उनके पिता गुरूनाथ शर्मा ट्रांसपोर्ट फर्म हाउस में काम करते थे। उनकी मां का नाम पूर्णिमा शर्मा है। इनका पूरा नाम रोहित गुरुनाथ शर्मा है। रोहित को अपने बचपन में गरीबी और आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ा। आर्थिक तंगी के चलते रोहित का बचपन अपने दादा के साथ बीता था। वह अपने माता-पिता से कभी-कभी मिलने आते थे। रोहित बचपन से ही क्रिकेट खेलने के शौकीन थे।

उनका क्रिकेट के प्रति रुझान देखकर रोहित के चाचा ने उन्हें क्रिकेट कैंप में भर्ती करवा दिया। जहां पर रोहित की प्रतिभा से प्रभावित होकर उनके कोच दिनेश लाद ने स्कॉलरशिप दिलवाकर रोहित का स्कूल चेंज करवा दिया। रोहित ने अपने करियर की शुरूआत एक गेंदबाज के रूप में की। समय से काथ उनकी बैटिंग प्रतिभा भी निखरती चली गई। उन्होंने एक स्कूल के साथ हुए मैच में शतक जड़ दिया।

कई कोचों को रोहित शर्मा की बल्लेबाजी प्रभावित कर गई थी। जिसकी वजह से साल 2005 में सेंट्रल जोन के खिलाफ पश्चिमी क्षेत्र के लिए उनका चयन देवधर ट्राफी में हो गया। हालांकि रोहित इस मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। इसके बाद उत्तरी क्षेत्र के खिलाफ रोहित की 142 रन की नाबाद पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। इसके परिणामस्वरूप तीस सदस्यी संभावित खिलाड़ियों की सूची में रोहित को भी शामिल कर लिया गया। फिर रोहित को चैंपियंस ट्राफी में खेलने का मौका मिला।

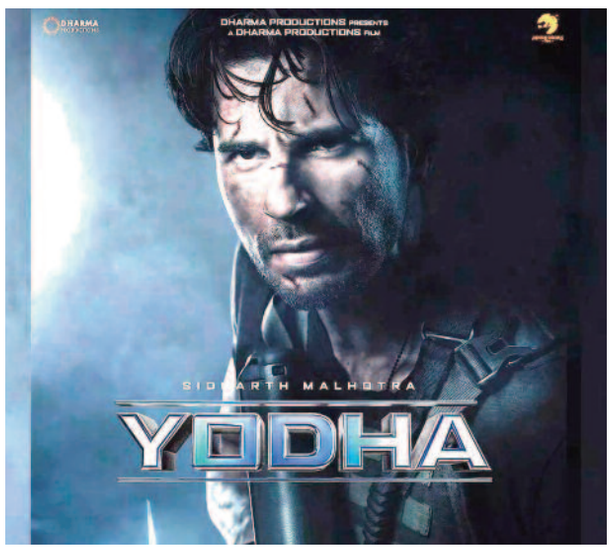

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा की नई रिलीज डेट जारी

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकारों की बात की जाए तो उसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा का नाम जरूर शामिल होगा. आने वाले समय में सिद्धार्थ फिल्म योद्धा में नजर आएंगे. बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर करण जौहर के प्रोडेक्शन हाउस धर्मा प्रोडेक्शन तले फिल्म योद्धा बनी है. इस बीच अब सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. योद्धा की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है और मेकर्स ने इस फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है. सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर योद्धा की नई रिलीज डेट को लेकर मशहूर फिल्म क्रिटिक्स तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है. तरण के मुताबिक सिद्धार्थ की योद्धा अब इसी साल 15 सितंबर 2023 को रिलीज होगी. इस फिल्म में बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा, बी टाउन एक्ट्रेस दिशा पाटनी और राशि खन्ना लीड रोल में मौजूद हैं. धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बनी योद्धा का डायरेक्शन मशहूर निर्देशक सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने किया है. मालूम हो कि सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा इससे पहले 7 जुलाई को रिलीज होने वाली थी. हालांकि अभी तक ये वजह सामने नहीं आई है कि आखिर किस कारण मेकर्स ने योद्धा की रिलीज डेट को बदला है. 15 सितंबर 2023 सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा का धमाल दर्शकों को सिनेमाघरों में देखने को मिलेगा. योद्धा की रिलीज के बाद फैंस को बैक टू बैक फिल्में बड़े पर्दे पर देखने को मिलेंगी. योद्धा के बाद साउथ सुपरस्टार प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म सालार 28 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इसके बाद 6 अक्टूबर 2023 को बॉलीवुड सुपरस्टार वरुण धवन की बहुचर्चित फिल्म बवाल रिलीज की जाएगी. ऐसे में ये साफ कहा जा सकता है कि सिद्धार्थ की योद्धा के साथ ही आने वाले हफ्तों में फैंस को एंटरटेनमेंट का फुल ऑन डोज मिलेगा.

शॉर्ट पिंक ड्रेस में बार्बी डॉल सी दिखीं अनन्या पांडे, खूबसूरत अदाओं पर फैंस हुए फिदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स से फैंस को अपना दीवाना बना देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट किलर लुक्स की तस्वीरें इंटरनेट पर सांझा की हैं जिनमें उनकी खूबसूरती थमने का नाम नहीं ले रही है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में अपनी अलग जगह बनाई है। वो आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की हर एक अदाओं पर फैंस अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। अभिनेत्री ने अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर की शॉर्ट रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है। अनन्या पांडे का बार्बी डॉल लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। हालांकि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। हर बार उनकी तस्वीरें देखकर फैंस का दिल तेजी से धड़कनें लगता है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे की इन तस्वीरों पर लोग लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो ब्यूटीफुल तो वहीं दूसरे ने लिखा है- 'चांद का टुकड़ा।' ऐसे ही एक के बाद एक कर के लोगों के रिएक्शंस आ रहे हैं।

बसंती को पाने के लिए धर्मेंद्र ने किए ऐसे-ऐसे काम,जान तक जोखिम में डाली...!

बॉलीवुड सुपरस्टार धर्मेंद्र अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहे हैं. शादीशुदा होने के बावजूद धर्मेंद्र हेमा मालिनी के प्यार में पड़ गए थे. कहा जाता है कि धर्मेंद्र को हेमा मालिनी से पहली नजर में प्यार हो गया था और वह इस कदर दीवाने हो गए थे कि एक्ट्रेस को इंप्रेस करने के चक्कर में अपनी जान तक जोखिम में डाल दी थी.

एक्ट्रेस को इंप्रेस करने के लिए धर्मेंद्र ने जान का लिया था रिस्क!

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की लवस्टोरी के कई किस्सों एक्टर सचिन पिलगांवकर ने द कपिल शर्मा शो में बताए थे. सचिन ने बताया था कि शोले के दौरान धर्मेंद्र पूरी तरह से हेमा मालिनी को पटाने में लगे हुए थे. सचिन पिलगांवकर ने किस्सा शेयर करते हुए बताया, जब फिल्म शोले में टंकी वाला सीन शूट किया जा रहा था तब धर्मेंद्र जी ने हेमा जी के आगे नंबर बनाने के चक्कर में अपनी दोनों टांगे बाहर की तरफ लटका दी थीं. यह बहुत रिस्क वाला काम था लेकिन वहीं हेमा जी को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा था. वह तो नीचे से खड़ी बस उन्हें देख रही थीं.

लाइटमैन के साथ प्लानिंग करते थे धर्मेंद्र!

कहा जाता है कि धर्मेंद्र, हेमा मालिनी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने के लिए शोले की शूटिंग के समय लाइटमैन के साथ प्लानिंग कर लेते थे. जिससे उन्हें हेमा मालिनी के साथ बार-बार रोमांटिक सीन शूट करने को मिले. एंटरटनेमेंट खबरों की मानें तो धर्मेंद्र जी हेमा मालिनी के प्यार में पूरी तरह दीवाने थे वह किसी भी कीमत पर एक्ट्रेस से शादी करना चाहते थे. लेकिन साथ ही वह अपनी पहली पत्नी को तलाक भी नहीं देना चाहते थे. कहा जाता है इस मुश्किल से निकलने के लिए धर्मेंद्र ने धर्म बदल लिया था और अपना नाम दिलावर खान कर लिया और हेमा मालिनी ने भी अपना धर्म बदला और आयशा बी बनकर एक्टर से शादी कर ली थी.

फिर लौटा जनता की बेहद मांग पर पिक्चर दिखाने का जमाना

क्लासिक सिनेमा में एक कालातीत गुणवत्ता है जो भाषा और संस्कृति से परे है, जिसका भारतीय और वैश्विक सिनेमा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसी फिल्में एक बार फिर सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी और इसकी शुरुआत महानायक अमिताभ बच्चन की कल्ट फिल्म अमर अकबर एंथनी से होने जा रही है। भारत की सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स श्रृंखला पीवीआर सिनेमा ने %द नोस्टाल्जिक शो को फिर से शुरू करने की घोषणा की है जिसके तहत भारतीय सिनेमा की कल्ट फिल्में सिनेमाघरों में घटी दरों पर दिखाई जाएगी।

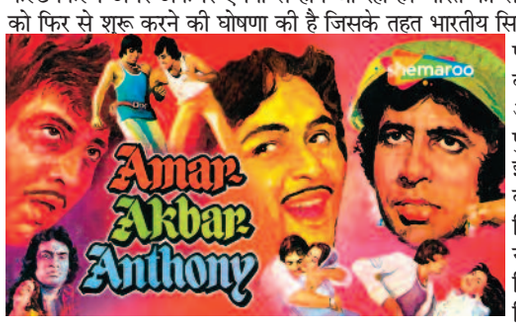

पीवीआर सिनेमा ने द नोस्टाल्जिक शो को फिर से शुरू करने की घोषणा की है, जो सिनेमाई विरासत और अतीत की विरासत की सराहना करने और उसका जश्न मनाने की एक पहल है। यह साप्ताहिक शो आपको पुराने विंटेज हिट देखने की पुरानी यादों को ताजा करने और बड़े पर्दे पर इन फिल्मों की कलात्मकता की सराहना करने के लिए सिनेमा की यादों की गलियों में ले जाएगा, वह भी केवल 150 रुपये की बेहद सस्ती टिकट कीमत पर।

यह पहल आधुनिक समय की ध्वनि और दृश्य तकनीक के साथ, समान विचारधारा वाले सिनेप्रेमियों की संगत में सिनेमाई माहौल में अतीत से फिल्मों के जादू का अनुभव करने का एक अवसर है, और क्लासिक फिल्मों को फिर से देखने या खोजने का एक शानदार तरीका है। पीवीआर सिनेमा ये फिल्में हर शनिवार और रविवार को दिखाएगा और इसके लिए गुड़गांव, अमृतसर, चंडीगढ़, दिल्ली, मुंबई, पुणे, गोवा लखनऊ, कोच्चि, त्रिवेंद्रम, भुवनेश्वर, कोलकाता सहित 50 शहरों में 100 से स्क्रीन इसके लिए रिजर्व रहेंगे।

ये तो आप जानते हैं कि पीवीआर और आईनॉक्स मल्टीप्लेक्स के विलय के बाद ये सिने श्रृंखला सबसे बड़ी सिनेमा चेन बन चुकी है। इन दोनों सिनेमाघरों में इस वीकएंड पर अमिताभ बच्चन की कल्ट मूवी 'अमर अकबर एंथनी' दिखाई जा रही है। इसके बाद अगले सप्ताह कौन सी फिल्म दिखाई जाएगी, यह सरप्राइज रखा गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)